बालमन

Powered by Teachers of Bihar

वर्ष 2023

माह नवम्बर

अंक 23

प्रधान संपादक :-धीरज कुमार [U.M.S. सिलौटा , भभुआ (कैमूर)]

Dheeraj Kumar- +91 9431680675

Teachers of Bihar - +91 7250818080

info@teachersofbihar.org | teachersofbihar@gmail.com

www.teachersofbihar.org

कार्यालय जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर (भभुआ)

शिक्षा भवन, भागीरथी मुक्ताकाश मंच भभुआ,

(मो०-8544411411 email-deokaimur.edn@gmail.com)

"शुभकामना संदेश"

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि विद्यालय के छात्र/छात्राओं को जागरूक बनाने तथा प्रतिभावान बच्चों के प्रतिभा का प्रदर्शन विभिन्न स्तर पर करने के उद्देश्य से **"बाल मन कैमूर"** पत्रिका का मासिक प्रकाशन किया जा रहा है।

इस प्रकार के प्रकाशन, बच्चों के सृजनात्मक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त होगा।

आशा है कि इस पत्रिका से बच्चे, शिक्षक एवं समाज में साकारात्मक सोंच विकसित होगा।

मैं सुमन शर्मा, जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर इस उपयोगी लेखन के लिए बधाई देते हुए **"बाल मन कैमूर"** के प्रकाशन की सफलता हेतु अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

(सुमन शर्मा)
जिला शिक्षा पदाधिकारी
कैमूर (भभुआ)

सम्पादकीय

प्यारे बच्चों,

नमस्कार

चेहरे पर मुस्कान और खुशी सभी को अच्छी लगती है। हर बच्चें खुश रहे और अपने सपनों को साकार करे। बच्चो के प्यारे चाचा नेहरू जी का जन्मदिन 14 नवम्बर को बाल दिवस के रूप में सारे देश में मनाया जाता है। सम्पूर्ण विश्व में सभी बच्चों के हित की कामना करते हैं। इस महीने दीपावली और छठ महापर्व भी पूरे धूम धाम से मनाया जाएगा। आप सभी बच्चों से नम्र निवेदन होगा की भीड़ भाड़ में बच कर रहे। गहरे पानी में ना उतरे। भगदड़ और अफवाह से बच कर रहे। प्रदूषणमुक्त दीपावली मनाने का संकल्प ले।

बच्चो !दिन - प्रतिदिन बालमन टीम द्वारा प्राप्त पोस्ट से आपके उत्साह को देख कर मुझे बहुत खुशी हो रही है। पत्रिका के इस अंक को आपको समर्पित करते हुए हमे बहुत खुशी हो रही है। आज का जमाना सोशल मीडिया का है।यदि आपके पास कला है तो उसे अपने शिक्षको से जरूर साझा करे और बालमन की टीम के माध्यम से उसे जरूर हम तक जरूर पहुंचाए।इसके साथ ही मासिक टैलेंट सर्च प्रतियोगिता में शामिल होने के लिएआप सभी को धन्यवाद।

हमारी TOB बाल मन कैमूर पत्रिका की टीम बेहतर से बेहतर करने के लिए सदा प्रयत्नशील है।अनजाने में कोई भूल या त्रुटि हुई हो तो उसके लिए हम क्षमाप्रार्थी है।हम आपके उज्जवल भविष्य की कामना करते है।

आपका
धीरज कुमार
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा
भभुआ(कैमूर)
मो . 9431680675

TEACHERS OF BIHAR

बालमन

सहयोगी सदस्य

माह : नवम्बर

बालमन चांद प्रधान संपादक : प्रमोद कुमार "निराला"

(कन्या मध्य विद्यालय चांद)

बालमन कुदरा प्रधान संपादक : कमलेश कुमार

(U.H.S. हरदासपुर , कुदरा)

विज्ञान कॉर्नर: राजेश कुमार सिंह

(महाबल भृंगनाथ +2 उच्च माध्यमिक विद्यालय कोरिगांवा बहेरा ,भभुआ)

दर्शनीय स्थल सह रोचक गणित : कुमार राकेश मणि

(UHS कोटा, नुआंव)

बूझो तो जानें : डॉक्टर पुष्पा जायसवाल

(UHS नरहन, रामगढ़)

Teachers of Bihar

बालमन

अनमोल विचार

जब आप किसी की मदद करते हैं तो ईश्वर आपकी मदद करता है।

हमेशा दूसरों की मदद के लिए तैयार रहना चाहिए।

- गुरुनानक देव जी

Vishwa Vijay Singh

बिहार राज्य प्रार्थना गीत

मेरी रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे
वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की
वो मुहब्बत दे मुझे अमनो अमन नाज करे
मेरी खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे
इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ
हौसला ऐसा हीं दे गंग जमन नाज करे
आधे रस्ते पे न रूक जाये मुसाफिर के कदम
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे
दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे
जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय बिहार

एम. आर. चिश्ती

www.teachersofbihar.org

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार, तुझको शत-शत वंदन बिहार
तू वाल्मीकि की रामायण, तू वैशाली का लोकतंत्र
तू बोधिसत्व की करूणा है, तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप, तू हीं अक्षत चंदन बिहार
तू है अशोक की धर्मध्वजा, तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह, तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि, धरती का नंदन वन बिहार
तेरी गौरव गाथा अपूर्व, तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान, अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक,
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार,
मेरे भारत के कंठहार

- सत्यनारायण

टीचर्स ऑफ बिहार गीत

एम आर चिश्ती

चांद तारों को साथ लाएंगे,
हम बहारों को साथ लाएंगे।

जैसे आती नहीं नज़र दुनिया,
हम बनाएंगे वो हंसी दुनिया,
हौसला और अपनी मंज़िल से,
सब नज़ारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

प्रेम की रोशनी जो बिखरेगी
और प्रतिभा सबकी निखरेगी,
खींच लेंगे गगन से इंद्रधनुष
बहते धारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

हम हैं निर्माता अपने भारत के,
पूरे करने हैं सपने भारत के
हम कलम के वही सिपाही है
जो हज़ारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे....

हमने माना, टीचर्स ऑफ़ बिहार
दीप ऐसा जलाएगा इस बार,
हम नवाचारी शिक्षा की रह में
बेसहारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

www.teachersofbihar.org

TEACHERS OF BIHAR

बालमन प्रेरक प्रसंग

नवम्बर 2023

अगले सफर की तैयारी

एक राज्य का क़ानून था कि वो एक साल बाद अपना राजा बदल लेते थे। उस दिन जो भी सबसे पहले शहर में आता था तो उसे राजा घोषित कर लेते थे, और इससे पहले वाले राजा को एक बहुत ही ख़तरनाक और मीलों में फैले जंगल के बीचों बीच छोड़कर आते जहां वह अगर खूंखार जानवरों से किसी तरह अपने आप को बचा लेता तो भी भूख-प्यास से मर जाता।

ना जाने कितने ही राजा ऐसे ही एक साल की राजगद्दी के बाद जंगल में जा कर मर गए।

एक बार राज्य में एक नौजवान किसी दूसरे राज्य से आया और इस राज्य के कानून से अनजान था तब सब लोगों ने आगे बढ़कर उसे बधाईयाँ दी और उसे बताया कि उसको इस राज्य का राजा चुन लिया गया है और उसे बड़े मान-सम्मान के साथ राजमहल में ले गए। वो हैरान भी हुआ और बहुत ख़ुश भी।

राजगद्दी पर बैठते ही उसने पूछा कि मुझसे पहले जो राजा था, वो कहाँ है?

तो दरबारियों ने उसे इस राज्य का क़ानून बताया कि हर राजा को एक साल बाद जंगल में छोड़ दिया जाता है और नया राजा चुन लिया जाता है।

ये बात सुनते ही वो एक बार तो परेशान हुआ लेकिन फिर उसने अपने दिमाग का इस्तेमाल करते हुए कहा कि मुझे उस जगह लेकर चलो जहाँ तुम अपने पहले के राजाओं को छोड़कर आते हो।

दरबारियों ने सिपाहियों को साथ लिया और नये नियुक्त राजा को वो जगह दिखाने जंगल में ले गए। राजा ने अच्छी तरह उस जगह को देख लिया और वापस आ गया। अगले दिन उसने सबसे पहला आदेश ये दिया कि मेरे राजमहल से जंगल तक एक सड़क बनाई जाये और जंगल के बीचों बीच एक ख़ूबसूरत राजमहल बनाया जाये जहां पर हर तरह की सुविधा मौजूद हों और राजमहल के बाहर ख़ूबसूरत बाग़ बनाया जाएं।

राजा के आदेश का पालन किया गया। जंगल में सड़क और राजमहल बनकर तैयार हो गया। एक साल के पूरे होते ही राजा ने दरबारियों से कहा कि आप अपने कानून का पालन करो और मुझे वहां छोड़ आओ जहां मुझसे पहले राजाओं को छोड़ के आते थे।

दरबारियों ने कहा कि महाराज आज से ये कानून ख़त्म हो गया क्योंकि हमें एक अक्लमंद राजा मिल गया है, वहाँ तो हम उन बेवक़ूफ राजाओं को छोड़कर आते थे जो एक साल की राजशाही के मज़े में बाक़ी की ज़िंदगी को भूल जाते और अपने लिए कोई बंदोबस्त ना करते थे, लेकिन आपने अपने दिमाग का इस्तेमाल किया और आगे का बंदोबस्त कर लिया।हमें ऐसे ही होशियार राजा की ज़रूरत थी अब आप आराम से सारी ज़िंदगी हमारे राज्य पर राज करे।

सोशल मीडिया से

अमरेन्द्र कुमार

क़ुतुब मीनार

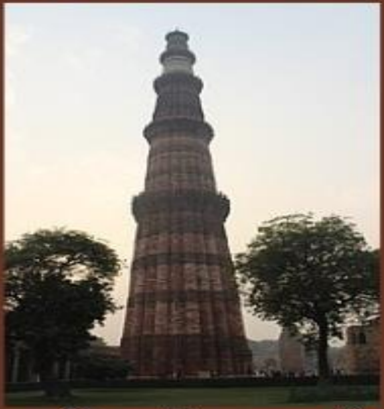

क़ुतुब मीनार[1] भारत में दक्षिण दिल्ली शहर के महरौली भाग में स्थित, ईंट से बनी विश्व की सबसे ऊँची मीनार है। यह दिल्ली का एक प्रसिद्ध दर्शनीय स्थल है। इसकी ऊँचाई 73 मीटर (239.5 फीट) और व्यास १४.३ मीटर है, जो ऊपर जाकर शिखर पर 2.75 मीटर (9.02 फीट) हो जाता है। इसमें ३७९ सीढियाँ हैं।[2] मीनार के चारों ओर बने अहाते में भारतीय कला के कई उत्कृष्ट नमूने हैं, जिनमें से अनेक इसके निर्माण काल सन 1192 के हैं। यह परिसर युनेस्को द्वारा विश्व धरोहर के रूप में स्वीकृत किया गया है। कहा जाता है कि ये मीनार पास के 27 किला को तोड़कर और दिल्ली विजय के उपलक्ष्य मे किला के मलबे से बनाई गयी थी। इसका प्रमाण मीनार के अंदर कुतुब के चित्र से मिलता है। एक स्थान के अनुसार ये मीनार वराहमिहिर का खगोल शास्त्र वेधशाला थी। कुतुब मीनार परिसर में एक कुतुब स्तंभ भी है जिसपर जंग नही लगती है। इसे आप नीचे फोटो मे देख सकते है।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

ऑस्ट्रेलिया का 'कुबेर पेडी' एक ऐसा गांव है जहाँ के सभी लोग जमीन के अंदर रहते है। यहाँ के लोगों ने अपना घर जमीन के अंदर बनाया हुआ है ऐसा इसलिए क्युकी इस गांव में सबसे ज्यादा ओपल के माइंस है और इसलिए इस गांव को 'Opal City Of The World' भी कहा जाता है।

1 मिनट में 5 अंतर खोजे

आप तैयार है न......

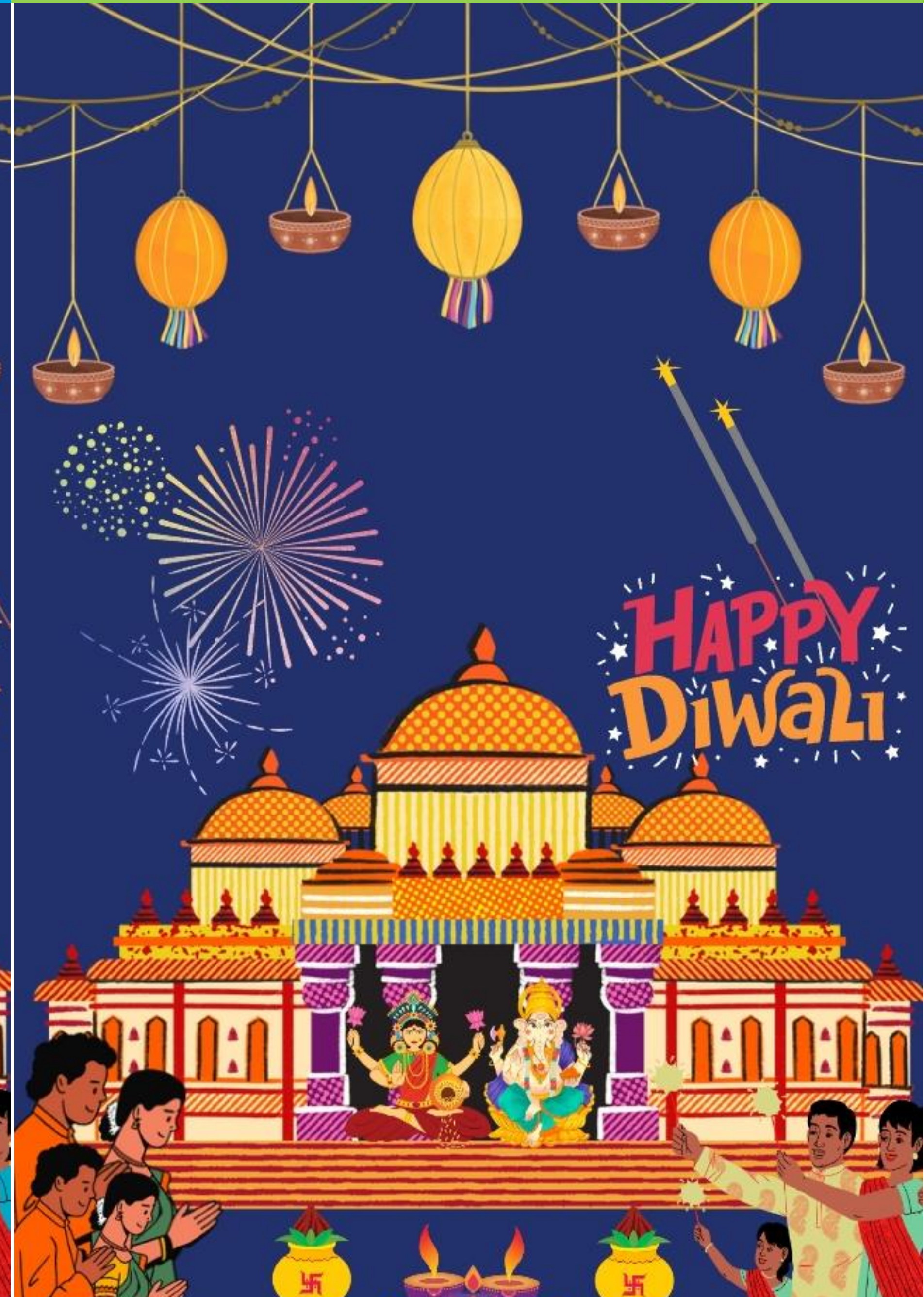

ToB बालमन कलाकार
भाग - 1

Neha Kumari, Class 5, N.P.S Bheri (CHAND) KAIMUR

श्रेया कुमारी,क्लास 9
गर्ल्स हाई स्कूल भभुआ

रिया कुमारी
पेंसिल के छिलकों द्वारा बनाया गया क्राफ्ट वर्क।
प्राथमिक विद्यालय बहादुर, मोहनिया, कैमूर

Sonali kumari Class-8 Durgapuja pandaal model Gov. Basic school Ailay Chand

लक्ष्मीना कुमारी
वर्ग 7
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा, भभुआ

ToB बालमन कलाकार भाग 2

संतोष कुमार
सरौनी कला (मधेपुरा)

उत्क्रमित मध्य विद्यालय खैरा,भभुआ(कैमूर)

आदित्री कुमारी ,वर्ग- 5, उत्क्रमित मध्य विद्यालय- खजरा, मोहनिया -कैमूर

मध्य विद्यालय अखलासपुर भभुआ

ToB बालमन कलाकार

भाग 3

पवन कुमार
प्राथमिक विद्यालय
बहुदरा,मोहनिया

छोटी कुमारी
वर्ग 8
उत्क्रमित मध्य विद्यालय खजरा
मोहनियां(कैमूर)

IMRAN IDRISHI
वर्ग 9
UHS कोटा, नुआंव
(कैमूर)

उत्क्रमित मध्य विद्यालय अर्रा
मोहनियां (कैमूर)

खुशी कुमारी
वर्ग 6
UHS मुशिया (नुआंव)

अंजली केशरी
वर्ग 9
उच्च विद्यालय छांव, दुर्गावती
कैमूर

प्रीतम कुमार, क्लास-8
UMS दुघरा, भभुआ
कैमूर
भारत द्वार

ToB बालमन
नन्हें कलाकार
भाग 4

प्राथमिक विद्यालय मड़पा(हिंदी)
अधौरा(कैमूर)

Atish Kumar Class 5 N.P.S BHERI
Chand

प्राथमिक विद्यालय मड़पा(हिंदी)
अधौरा(कैमूर)

आशीष कुमार
MS सरौनी कला, जिला -मधेपुरा, वर्ग -6

U.M.S. दुघरा, भभुआ
कैमूर

ToB बालमन कलाकार भाग 5

UMS दुघरा, भभुआ

खुशी कुमारी, वर्ग -8, उत्क्रमित मध्य विद्यालय -खजरा, मोहनिया, कैमूर

हाई स्कूल छांव, दुर्गावती

UMS दुघरा, भभुआ

UHS कोटा, नुआंव

सोनाली कुमारी
आईलय, चांद

UHS छोटका कटरा, मोहनियां

मध्य विद्यालय अखलासपुर, भभुआ

संतोष कुमार
मधेपुरा

एक नजर इधर भी....

प्रा 0 वि 0 देवरिया, मोहनिया
Class 3, सौम्या कुमारी

मध्य विद्यालय अख…सपुर, भभुआ

हथेली के सहारे चित्र बनाना
प्राथमिक विद्यालय जगरिया, चैनपुर

Nps Kajharghat kudra

स्वास्थ्य सुझाव

अमरेंद्र कुमार

- तनाव कई बीमारियों का कारण बन सकता है। दरअसल, जब हम हर चीज का दबाव लेने लगते हैं और जीवन के हर पहलू पर नकारात्मक रूप से सोचने लगते हैं, तब तनाव की स्थिति पैदा होती है। जब व्यक्ति को अत्यधिक तनाव होता है तो उसे लगातार सिरदर्द और अकड़न आदि समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए जितना हो सके तनाव से दूर रहें।

ToB बालमन

अज़ब-गज़ब

नवम्बर 2023

1.ब्लूटूथ का नाम वाइकिंग राजा, हेराल्ड ब्लूटूथ के नाम पर रखा गया है।

2. पानी की बोतल पर लिखी एक्सपायरी डेट बोतल के लिए होती है, पानी के लिए नहीं।

3. महिलाएं पुरुषों की तुलना में ज़्यादा बार पलकें झपकाती हैं।

4. आपके गले के Tonsils ऑपरेशन करके हटाए जाने के बाद भी वापस बड़े हो सकते हैं, अगर कोई Tissue छूटा रह गया हो तो।

5.1940 के दशक में, जब तक एक्स-रे के ख़तरों के बारे में पता नहीं चला था, तब तक जूते की दुकानों में पैरों का एक्स-रे किया जाता था ताकि फ़िटिंग सही आए।

स्रोत: सोशल मीडिया

ToB बालमन

थोड़ा मुस्कुरा भी दो ....

नवम्बर 2023

टीटू: सर, लोग हिंदी या इंग्लिश में ही क्यों बोलते हैं। मैथ्स में क्यों नहीं?

टीचर: ज्यादा 3 -5 मत करो , 9 -2 -11 हो जाओ , नहीं तो 5 -7 खींच कर दूंगा तो 6 के 36 नजर आएंगे

और 32 के 32 बाहर निकल आएंगे।

टीटू: बस सर...समझ गया, हिंदी इंग्लिश ही ठीक है ,मैथ्स की भाषा तो बड़ी खौफनाक है।

....

टीचर: घर की परभाषा बताओ ।

टिंकू : जो घर हौसले से बनाये जाते हैं उसे "हाऊस" कहते हैं...

जिन घरों में होम-हवन होते हैं उन्हें "होम" कहते हैं...

जिन घरों में हवा ज्यादा चलती है उन्हें *"हवेली"*कहते हैं...

जिन घरों में दीवारों के भी कान होते हैं उन्हें "मकान" कहते हैं...

जिन घरों के लोन के इंस्टॉलमेंट भरते-भरते आदमी लेट जाता है उन्हें "फ्लैट" कहते हैं...

और जिन घरों में यह भी न पता हो कि बगल के घर में कौन रहता है उन्हें "बंगला" कहतेहैं

टीचर : अब रहने दो बेटा वरना मैं अपना घर भूल जाऊंगा।

ToB बालमन आपके पेंटिंग भाग 1

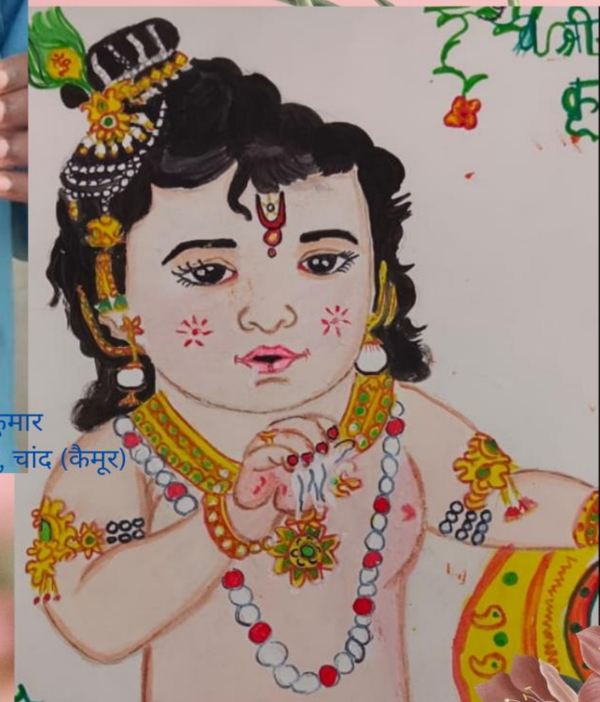

शुभम कुमार
UMS बड़हरिया, चांद (कैमूर)

P s sonav (Chand) class 2 sapana kumari Sandhya kumari rabi kisan

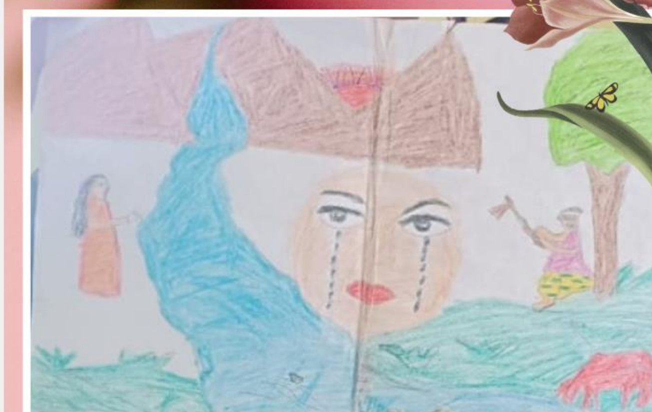

NPS SONAW,Class 5 Sona kumari

बालमन

ToB बालमन आपके पेंटिंग भाग 2

आपके पेंटिंग

U H S सलथुआ, कुदरा (कैमूर)

Soni maurya class 5 U.H.S.CHAURI

काजल चौहान
उत्क्रमित उच्च माध्यामिक विद्यालय कोटा , नुआंव (कैमूर)

संतोष कुमार
सरौनी कला (मधेपुरा)

प्राथमिक विद्यालय रामपुर
भभुआ- कैमूर

ToB बालमन आपके पेंटिंग भाग 4

माया कुमारी
उत्क्रमित मध्य विद्यालय खजरा
मोहनियां (कैमूर)

दिव्या कुमारी,वर्ग 6
UHS सलथुआ, कुदरा
कैमूर

निधि कुमारी
प्रोजेक्ट बालिका +2 बालिका उच्च
विद्यालय, मोहनिया
(कैमूर)

U.H.S Bhaluhari, Sandhya Kumari,class 6

ToB बालमन
आपके पेटिंग भाग 4

ToB बालमन आपके पेंटिंग
भाग 5

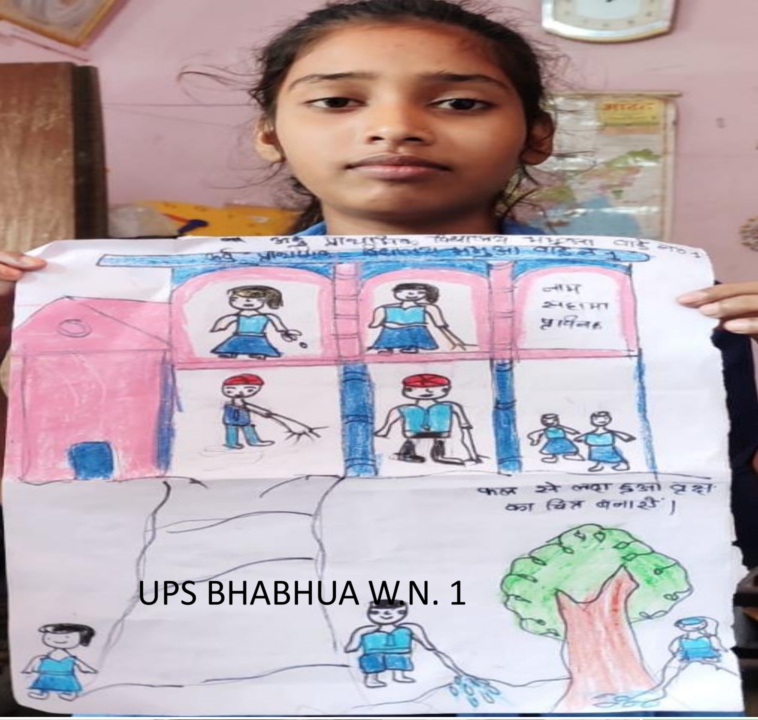

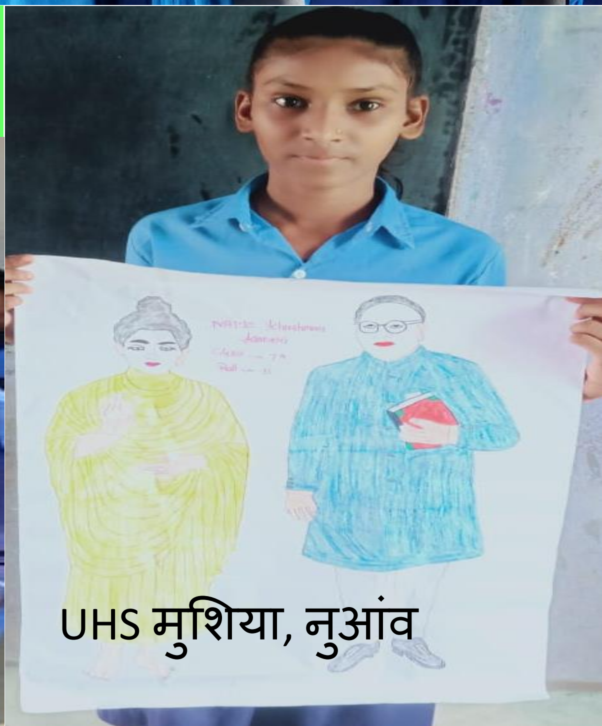

पेन और पेंसिल आर्ट भाग 1

संतोष कुमार
सरौनी कला, मधेपुरा

अंकित कुमार, वर्ग - 8
म0 वि0 जहानाबाद,
कुदरा ।

UHS रांटी, मधुबनी Idul akhtari ,class 9,Madhubani,Bihar

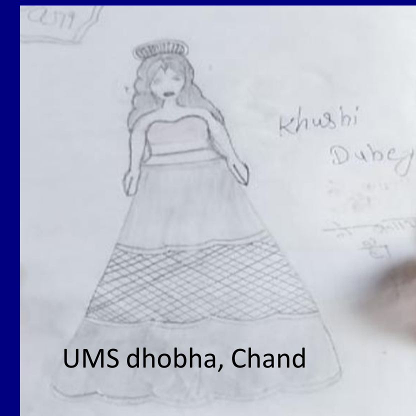

UMS dhobha, Chand

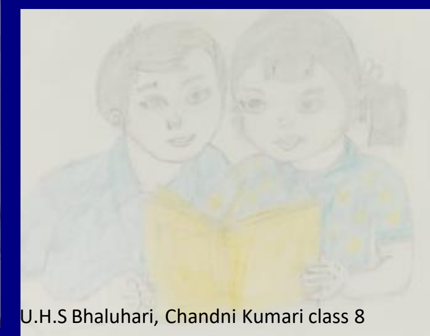
U.H.S Bhaluhari, Chandni Kumari class 8

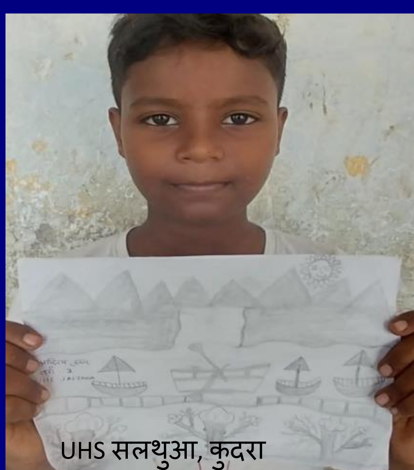
UHS सलथुआ, कुदरा

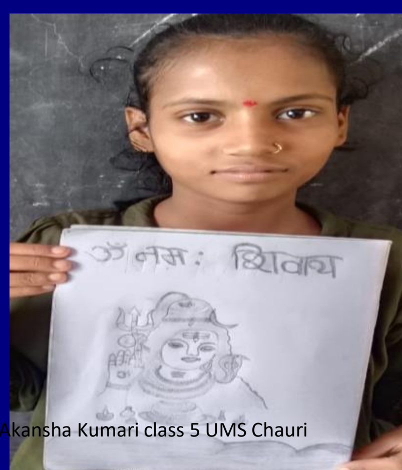

Akansha Kumari class 5 UMS Chauri

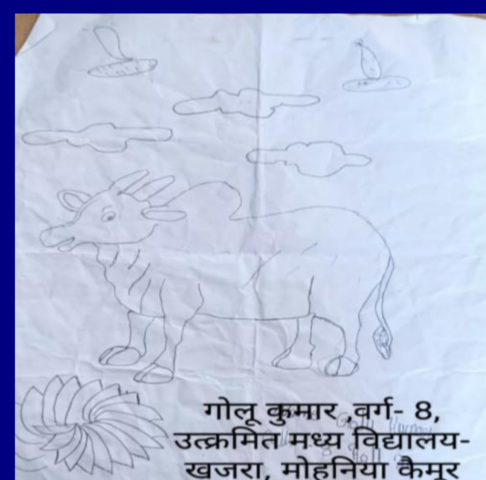
गोलू कुमार, वर्ग- 8,
उत्क्रमित मध्य विद्यालय-
खजरा, मोहनिया कैमूर

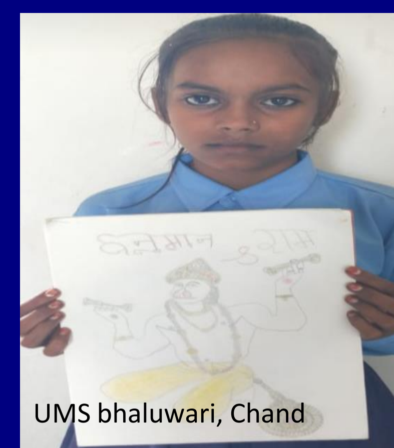
UMS bhaluwari, Chand

पेन और पेंसिल आर्ट भाग 2

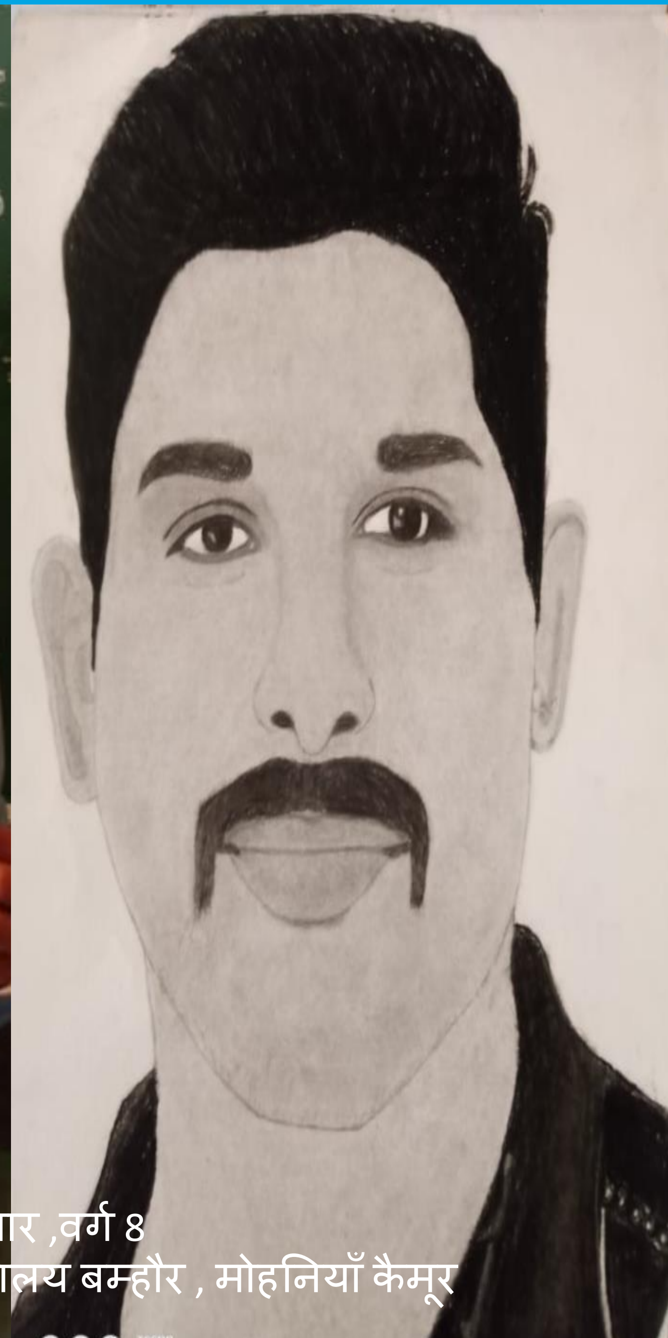

आकाश कुमार ,वर्ग 8
मध्य विद्यालय बम्हौर , मोहनियाँ कैमूर

Madhuri Kumari, Class 3,N.P.S -Bheri, Chand

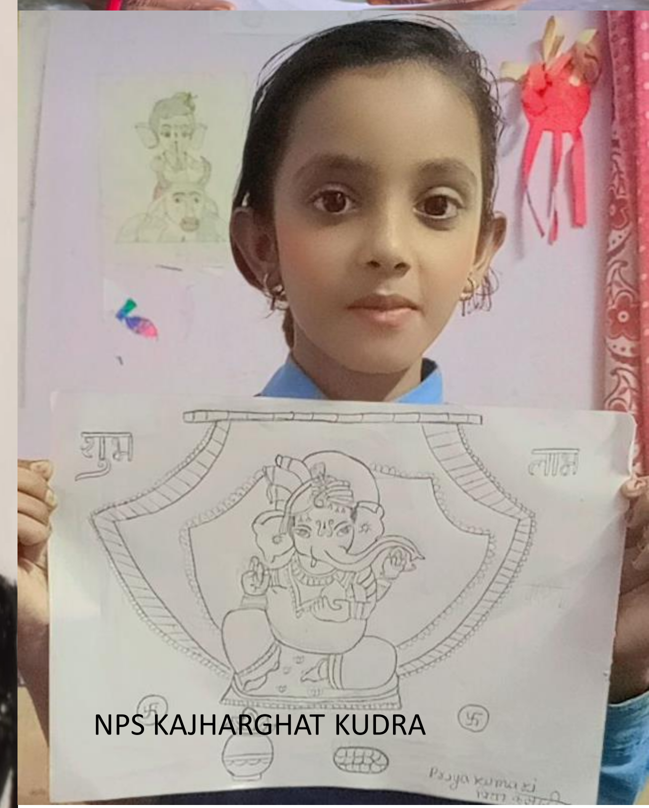

NPS KAJHARGHAT KUDRA

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
दीपावली
की हार्दिक शुभकामनाएं।
Madhu priya
www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar

बालमन

मन की बात

बाल मन को गहराई से समझने की आवश्यकता है,उनके अंदर अनेक जिज्ञासा और जिजीविषा छुपी हुई है। टीचर्स ऑफ बिहार बालमन उन्हें अवसर प्रदान कर रहा है। बालमन टीम को शुभकामनाएं।

श्री हरिदास शर्मा
प्रधानाध्यापक
राजकीयकृत मध्य विद्यालय डहरक
रामगढ़(कैमूर)
राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से
सम्मानित शिक्षक
(वर्ष 2021)

मैं आदित्रि कुमारी उत्क्रमित मध्य विद्यालय खजरा में वर्ग 5 की छात्रा हूं।सरकारी विद्यालय के बच्चो को टीचर्स ऑफ बिहार बालमन पत्रिका नई प्रतिभा और एक नई पहचान दिलाने का काम करती है, जिससे हमलोग अपने प्रतिभा को अच्छे तरह से प्रदर्शित करते हैं । इसके लिए मैं बाल मन पत्रिका को बहुत-बहुत धन्यवाद देती हूं।

नाम : आदित्री कुमारी(छात्रा)
वर्ग :5
विद्यालय : उत्क्रमित मध्य विद्यालय खजरा
मोहनियां (कैमूर)

बालमन

TOB बूझो तो जानें..

नवम्बर 2023

दीपावली विशेष

1

तम को दूर भगाने वाला,
तीन अक्षर का मेरा नाम।
अंत हटे तो "दीप" बनूँ मैं,
नाम बताओ भोलू राम।।

2

ऐसा त्योहार अनोखा बच्चों,
जग रोशन कर देता।
चहुंदिश चलती हैं फुलझड़ियाँ,
तुम से कुछ न लेता।।

3

अंत हटे तो"झाल"बनूँ मैं,
प्रथम हटे तो "लर"।
मध्य हटे तो "झार" बनूँ,मैं,
बोलो तो चन्दर।

4

धूम धड़ाका खूब करूँ मैं,
तीन अक्षर का मेरा नाम।
अंत हटे तो "पटा" बनूँ मैं,
नाम बताओ अब सबका काम।।

Dr Pushpa Jaiswal
U.H.S.NARAHAN,RAMGARH (KAIMUR)

उत्तर 1-दीपक, 2-दीपावली, 3-झालर, 4-पटाखा

जयंती पर कोटि-कोटि नमन

जवाहरलाल नेहरू

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री

14 नवंबर 1889-27 मई 1964

MADHU PRIYA

www.teachersofbihar.org

बाल दिवस

14 नवंबर

राष्ट्रवाटिका के पुष्पों में
एक जवाहरलाल नेहरू,

जन्म लिया जिस दिन लाल ने
दिवस कहलाया बाल,

बच्चों इनको सदा प्यार से
चाचा नेहरू कहते,

चाचा नेहरू इन बच्चों के बीच
बच्चे बनकर रहते,

एक गुलाब ही सब पुष्पों में
इनको लगता प्यारा,

भारत मां का लाल यह
सबसे ही था न्यारा,

सारे जग को पाठ पढ़ाया
शांति और अमन का,

भारत मां का मान बढ़ाया
था यह ऐसा लाल चमन का,

पुनीता कुमारी
रा० म० वि० नेउरी
बरौली (गोपालगंज)

www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar

आओं सीखें

माननीय

माननीय शब्द का प्रयोग ऐसे व्यक्ति के लिए किया जाता है।जिसका मन से सम्मान,आदर किया जाए। ऐसा व्यक्ति जिसने सम्मान के लिए अपने को सिद्ध किया हो । जो विशेष योग्यता रखता हो , प्रतिष्ठित हो , अपने कार्य क्षेत्र में सफल व सर्वश्रेष्ठ हो ।जैसे -

🔎 माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी छः दिनों के विदेश दौरे पर हैं।

🔎माननीय सभापति ने सदन की कार्यवाही को दो दिनों के लिए स्थगित किया।

महोदय

महोदय शब्द का प्रयोग अधिकतर अपने से बड़ों या सम्मानित व्यक्तियों के लिए सम्मान सूचक शब्द के रूप में किया जाता हैं । उच्च अधिकारियों से पत्राचार में संबोधन के लिए भी महोदय शब्द का प्रयोग किया जाता हैं ।जैसे -

🔎 महोदय/महोदया सविनय निवेदन हैं कि ...।

🔎 अतिथि महोदय का आगमन इस सभा में कुछ ही पलों में होने वाला हैं।

महाशय

जिस प्रकार श्रीमान या Mr का प्रयोग होता हैं उसी तरह महाशय एक आम आदर सूचक शब्द हैं ।उच्च आशय रखने वाला दयालु , मददगार व्यक्ति के लिए आम बोलचाल मे महाशय शब्द का प्रयोग किया जाता हैं।जैसे -

🔎 महाशय आपने अपना नाम नहीं बताया ।

🔎 इन महाशय ने ही मेरी जान बचायी हैं।

ToB बालमन क्विज

नवम्बर 2023

1

बाल दिवस कब मनाया जाता है?

A. 14अप्रैल B. 14 अक्टूबर

C. 14 नवंबर D. 11 नवम्बर

2

स्वतंत्र भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री का क्या नाम है?

A.भीमराव अम्बेडकर B. महात्मा गांधी

C. सरदार पटेल D. मौलाना अबुल कलाम आज़ाद

3

किस घटना के कारण तारे टिमटिमाते प्रतीत होते है?

A.वायुमंडलीय अपवर्तन B. टिंडल प्रभाव

C. उत्पलावकता D. प्रकाश का परावर्तन

4

छठ पर्व किस राज्य का मुख्य पर्व है

A.बिहार B. महाराष्ट्र

C.गुजरात D. अरुणाचल प्रदेश

5

विश्व का सबसे बड़ा फूल है -

A.सूर्यमुखी B. रेफलेसिया

C. नाग पुष्प D.वॉल्फिया ग्लोबोसा

सही उत्तर: 1.C ,2.D ,3.A,4.A,5.D

धीरज कुमार
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा भभुआ कैमूर

बिहार सरकार

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम

बिहार सरकार

निर्देश

1. सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम का उद्देश्य है कि विद्यालय के बच्चों में जोखिमों की पहचान एवं उससे बचाव करने की क्षमता, ज्ञान तथा आत्मविश्वास विकसित किया जाए ताकि वे किसी प्रकार के आपदा प्रत्युत्तर के लिए तैयार हो सकें।
2. बाल प्रेरकों द्वारा अन्य सभी बच्चों को एक साथ ज्ञान एवं कौशल स्थानांतरित करने का तरीका अन्य शिक्षण पद्धति से ज्यादा उपयुक्त होता है। अतः बाल प्रेरकों को प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है।
3. प्रत्येक विद्यालय के फोकल शिक्षक सभी बाल प्रेरकों के साथ शनिवार के एक दिन पूर्व वार्षिक–सारणी में निर्धारित गतिविधियों के अनुरूप योजना तैयार करेंगे।
4. सुरक्षित शनिवार की गतिविधियाँ प्रत्येक शनिवार के चेतना सत्र तथा अंतिम सत्र में अनिवार्य रूप से आयोजित करेंगे।
5. जिस माह पाँचवा शनिवार पड़े, उस स्थिति में बच्चों को स्वच्छता संबंधी विषयों के बारे में जानकारी दिया जाए एवं अभ्यास करायें।
6. जुलाई के प्रथम पखवारे (1–15 जुलाई) में विद्यालय सुरक्षा पखवारा तथा 4 जुलाई को विद्यालय सुरक्षा दिवस प्रत्येक विद्यालय में आयोजित होगा। विद्यालय सुरक्षा पखवारे में क्षेत्र विशेष को प्रभावित करने वाली सभी आपदाओं (सुखाड़ सहित) पर आधारित कार्यक्रम किये जायेंगे।
7. स्थानीय विशेष कारणों से सप्ताह में वर्णित गतिविधियों को आगे–पीछे किया जा सकता है।
8. विद्यालय में लंबी छुट्टी होने की स्थिति में बच्चों को गृहकार्य के रूप में विद्यालय सुरक्षा से संबंधित विषयों का अभ्यास एवं उसपर चर्चा करने संबंधी कार्य दिये जाएं।

unicef | for every child

unicef

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम

(सुरक्षित शनिवार)

RAKESH KUMAR
MIDDLE SCHOOL BALUA MANER (PATNA)

माह: नवंबर

प्रथम शनिवार	भगदड़ संबधी जोखिम एवं बचाव के सन्दर्भ में जानकारी
द्वितीय शनिवार	नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव के सन्दर्भ में जानकारी
तृतीय शनिवार	भूंकप से खतरे एवं बचाव के बारे में जानकारी (मॉकड्रिल)
चतुर्थ शनिवार	बाल अधिकार, बाल विवाह, बाल शोषण तथा बच्चों से छेड़छाड़ के संदर्भ में जानकारी 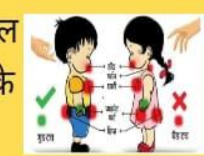

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

www.teachersofbihar.org

सुरक्षित शनिवार

उर्दू प्राथमिक विद्यालय कोहारी, भभुआ

UMS सिलौटा, भभुआ

UHS कोटा, नुआंव

प्रेषक:-प्रधानाचार्य,डॉ संजय कुमार सिंह,उत्क्रमित उच्च माध्यमिक +2 बिद्यालय बैजनाथ,रामगढ,कैमूर।

जयंती पर सादर नमन

11 नवंबर 1888-22 फरवरी 1958

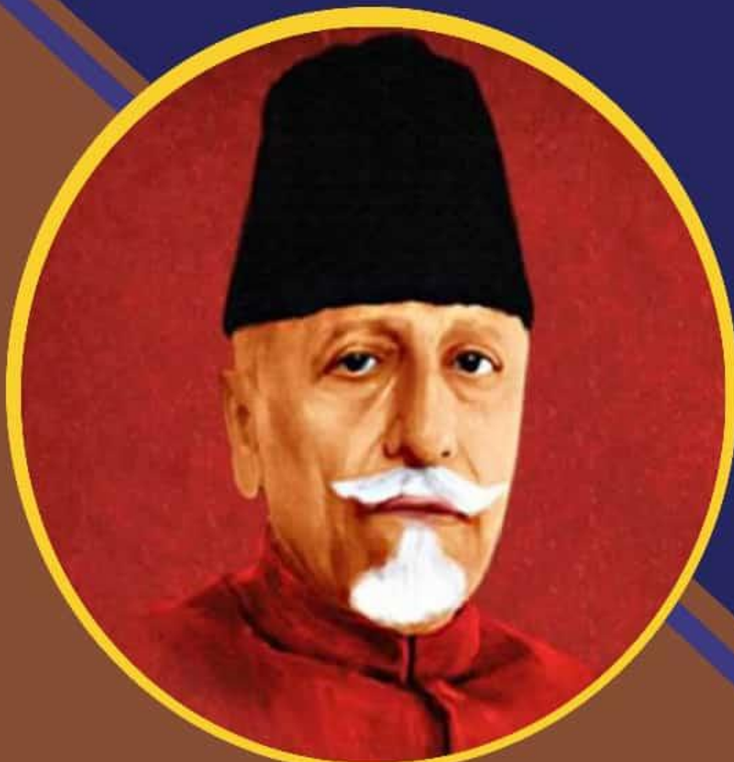

अबुल कलाम आजाद

भारत के पूर्व मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष

11 नवंबर

मधु प्रिया

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस 11 नवम्बर

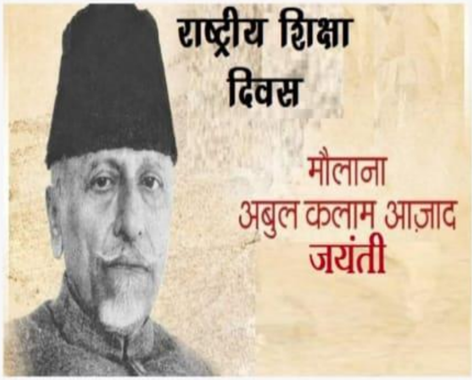

यह दिवस भारत सरकार भारत के पहले शिक्षा मंत्री एवं भारत रत्न से सम्मानित मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की याद में हर 11 नवंबर को मनाया जाता है। आजाद ने शिक्षा प्रणाली को आधुनिक बनाने व सुलभ बनाने में खास योगदान दिए. मौलाना अबुल कलाम आजाद को स्वतंत्र भारत का पहला शिक्षा मंत्री बनाया गया। आजाद की जयंती को भारत वर्ष में राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में मनाया जाता है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने 11,सितंबर 2008 को घोषणा की, "मंत्रालय ने भारत में शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को याद करते हुए भारत के इस सपूत के जन्मदिन को मनाने का फैसला किया है। 2008 से हर साल 11 नवंबर को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में मनाया जाएगा, इसे अवकाश के रूप में घोषित किया जाएगा।" देश के सभी शैक्षणिक संस्थान साक्षरता के महत्व और शिक्षा के सभी पहलुओं के प्रति राष्ट्र की प्रतिबद्धता पर बैनर कार्ड और नारों के साथ सेमिनार, संगोष्ठी, निबंध-लेखन, भाषण प्रतियोगिताओं, कार्यशालाओं और रैलियों के साथ दिन को मनाने की घोषणा करते हैं।इस दिन को स्वतंत्र भारत में शिक्षा प्रणाली की नींव रखने और क्षेत्र में देश के वर्तमान प्रदर्शन का मूल्यांकन और सुधार करने में आजाद के योगदान को याद करने के अवसर के रूप में भी देखा जाता है। राष्ट्रीय शिक्षा दिवस 2023 का विषय ' शिक्षा को प्राथमिकता देना: हमारे लोगों में निवेश ' है। भारत का राष्ट्रीय शिक्षा दिवस 2008 से हर साल 11 नवंबर को मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है। इस दिन शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को देखा जाता है, क्योंकि वह स्वतंत्र भारत के पहले शिक्षा मंत्री थे।

/teachersofbihar

भगदड़

देखो सजा हुआ है मेला,
ठेलम ठेल लोगों का रेला।
चाट,पकौड़ी,बर्फ का ठेला,
रसगुल्ले,बैलून और केला।
देखो सजा ....।।

उसी समय उड़ी अफवाह,
टूट गया बिजली का तार ।
जिसने सुना दौड़ लगाया,
सच ना कोई पता लगाया।
बच्चे,वृद्ध,महिला दिव्यांग,
घायल हो गए बहुत जवान।
अफवाहों के चलते बच्चों,
हो गया कितना बड़ा झमेला।।
देखो सजा ....।।

बच्चों तुम सब है कहना ,
भगदड़ से ऐसे हैं बचना।
अफवाहों पर मत दो ध्यान,
भगदड़ में लो धैर्य से काम।
बच्चे,वृद्ध,महिला,दिव्यांग,
इनको बचाना पहला काम।
भगदड़ में गिर दम घुटने से,
कितनो ने देखो दुख झेला ।।
देखो सजा ....।।

कमलेश कुमार,
उत्क्र0 उ0 मा0 वि0 हरदासपुर।

TEACHERS OF BIHAR

बालमन कविता

नवम्बर 2023

शीर्षक : सुबह का दिन कितना सुंदर!

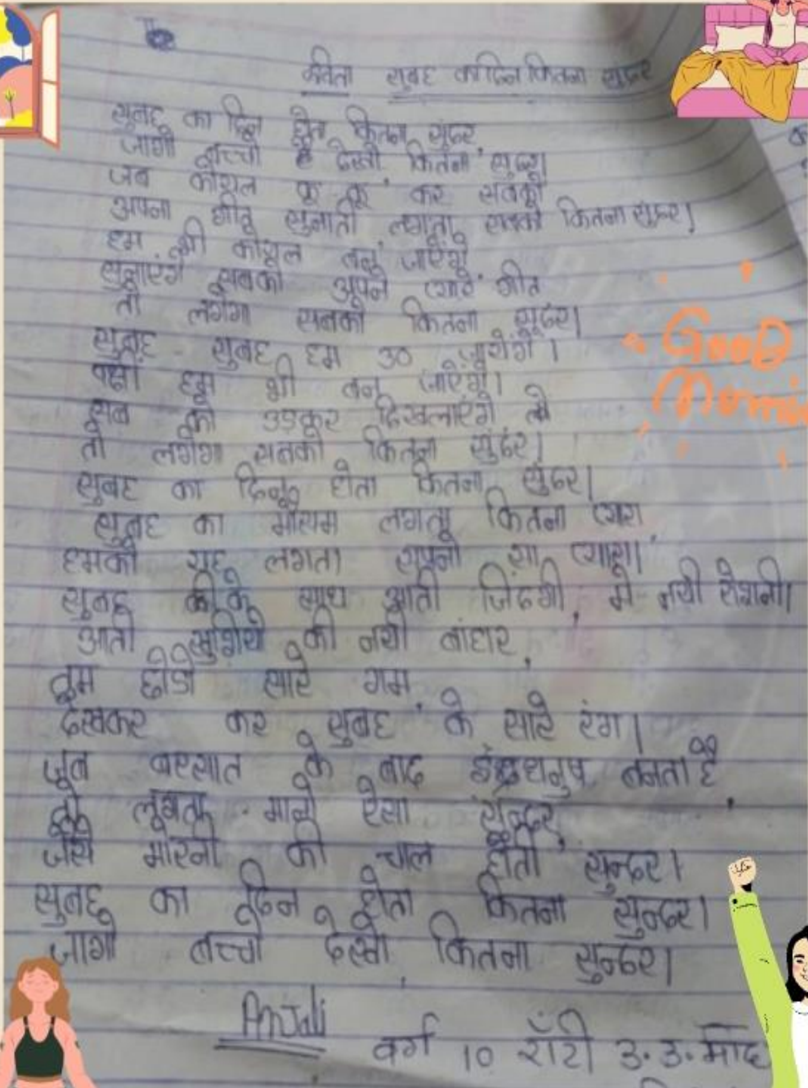

कविता सुबह का दिन कितना सुन्दर

सुबह का दिन होता कितना सुंदर
जागो बच्चों है देखो कितना सुन्दर।
जब कोयल कू कू कर सबको
अपना गीत सुनाती लगता सबको कितना सुन्दर।
हम भी कोयल बन जाएंगे
सुनाएंगे सबको अपने प्यारे गीत
तो लगेगा सबको कितना सुंदर।
सुबह-सुबह हम उठ जाएंगे।
पक्षी हम भी बन जाएंगे।
सब को उड़कर दिखलाएंगे
तो लगेगा सबको कितना सुंदर।
सुबह का दिन होता कितना सुंदर।
सुबह का मौसम लगता कितना प्यारा
हमको यह लगता अपना सा प्यारा।
सुबह के साथ आती जिंदगी में नयी रोशनी।
आती खुशियों की नयी बहार,
तुम छोड़ो सारे गम
देखकर सुबह के सारे रंग।
जब बरसात के बाद इंद्रधनुष बनता है
तो लगता मानो ऐसा सुन्दर
जैसे मोरनी की चाल होती सुन्दर।
सुबह का दिन होता कितना सुन्दर।
जागो बच्चों देखो कितना सुन्दर।

Anjali वर्ग 10 राँटी उ.उ.मा.वि.

अंजली कुमारी, वर्ग 10
UHS रांटी ,जिला: मधुबनी

TEACHERS OF BIHAR

बालमन कविता

नवम्बर 2023

शिक्षा का दीप

घर-घर में दीप इल्म का जलाते रहेंगे।
शिक्षक हैं बोध शिष्य का कराते रहेंगे।।

सीखना-सिखाना जिंदगी का खास है मेरे,
इसी में कामयाबी का एहसास है मेरे,
गुरु -शिष्य की परम्परा निभाते रहेंगे।
घर-घर में दीप इल्म का जलाते रहेंगे।

भटके हुए को राह दिखाते रहे जो हम,
उजड़े चमन में फूल खिलाते रहे जो हम,
होनहार नई पौध हम उगाते रहेंगे।
घर-घर में दीप इल्म जलाते रहेंगे।

दृढ़ी हो शिक्षित बनो की बात हैं करते,
संकल्प भरे स्वप्न को साकार हैं करते,
अनमोल बिखरे पुष्प को सजाते रहेंगे।
घर-घर में दीप इल्म का जलाते रहेंगे।

शिक्षक हैं बोध शिष्य का कराते रहेंगे।
घर-घर में दीप इल्म का जलाते रहेंगे।

संगीता कुमारी (शिक्षिका)
UMS अर्रा, मोहनियां (कैमूर)

UHSS KURASAN BHABUA KAIMUR

चेतना सत्र

UMS अर्रा, मोहनियां

UMS सिलौटा, भभुआ

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष

17 नवंबर

मधु प्रिया

अंतर्राष्ट्रीय छात्र दिवस 17 नवम्बर

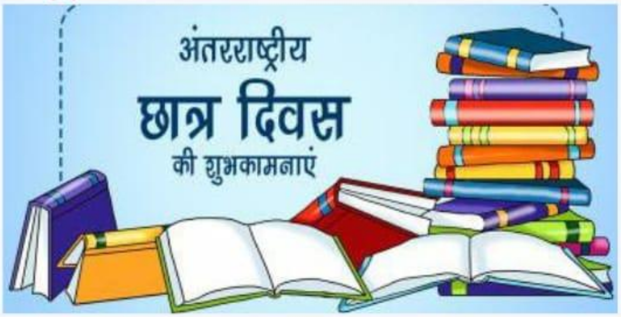

अंतर्राष्ट्रीय छात्र दिवस हर वर्ष 17 नवंबर को दुनिया भर में मनाए जाने वाला दिवस है। छात्र दिवस का इतिहास 28 अक्टूबर 1939 की घटना से जुड़ा हुआ है। यह घटना चोकोस्लोवाकिया के एक हिस्से पर नाजियों द्वारा कब्जा कर लिया गया था, उसी चोकोस्लोवाकिया की राजधानी प्राग में वहां के छात्रों एवं शिक्षकों ने एक प्रदर्शन का आयोजन किया था। प्रदर्शन देश के स्थापना के वर्षगांठ के अवसर पर था। नाजियों ने प्रदर्शन कर रहे छात्र एवं अध्यापकों पर गोलियां चलाई जिससे एक गोली मेडिकल के एक छात्र के ऊपर लगी और वह छात्र वहीं मारा गया। छात्र के अंतिम संस्कार के समय भी प्रदर्शन किया गया, नतीजे में सभी प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया गया जिसके बाद 17 नवंबर 1939 को नाजी सैनिक छात्र के हॉस्टल में घुसकर वहां के 1200 छात्रों को गिरफ्तार कर लिया और उनमें से 9 को यातना शिविर में भेजा गया, जिन्हें बाद में फांसी दी गई नाजी सैनिकों ने इस घटना के बाद चोकोस्लोवाकिया में सभी कॉलेज और यूनिवर्सिटी को बंद करवा दिया। उन छात्रों के साहस की घटना अविस्मरणीय थी ।अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस चेक रिपब्लिक की राजधानी प्राग के उन हज़ारों विद्यार्थियों की बहादुरी की याद में मनाया जाता है जो उच्च शिक्षा के अधिकार के लिए नाज़ी सेना के खिलाफ चले गए थे। नाज़ी सेना के 1939 में चेक रिपब्लिक पर कब्ज़ा करने के बाद हज़ारों विद्यार्थियों को बंदी शिविर में भेज दिया गया था। इसके बावजूद उन विद्यार्थियों का हौसला कम नहीं हुआ था। हर साल 17 नवंबर को विश्व स्तर में दुनिया भर की कई यूनिवर्सिटी सांस्कृतिक बहुलता और विविधता के प्रदर्शन के लिए अंतर्राष्ट्रीय छात्र दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर बहुत सी यूनिवर्सिटी छात्रों के लिए इस दिन खास गतिविधियों का आयोजन करती है, यूनिवर्सिटी के अलावा अन्य छात्र संगठन भी छात्र दिवस के अवसर पर कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं।

/teachersofbihar

17 नवंबर

पुण्यतिथि पर कोटि-कोटि नमन।

लाला लाजपत राय

28 जनवरी 1865 - 17 नवंबर 1928

www.teachersofbihar.org

Madhu priya

दर्शनीय स्थल

बिहार पर्यटन: देव सूर्य मंदिर

देव सूर्य मंदिर, देवार्क सूर्य मंदिर या केवल देवार्क के नाम से प्रसिद्ध है। यह भारतीय राज्य बिहार के औरंगाबाद जिले में देव नामक स्थान पर स्थित एक हिंदू मंदिर है जो देवता सूर्य को समर्पित है। यह सूर्य मंदिर अन्य सूर्य मंदिरों की तरह पूर्वाभिमुख न होकर पश्चिमाभिमुख है । यहां सात रथों से सूर्य की उत्कीर्ण प्रस्तर मूर्तियां अपने तीनों रूपों प्रातःकाल में, दोपहर में और शाम के समय में विराजमान है। काले और भूरे पत्थरों की अति सुंदर कृति देव के प्राचीन सूर्य मंदिर में देखने को मिलती है और दर्शन के लिए आए श्रृद्धालुओं को भावविभोर करती है। सूर्य मंदिर को देखने से ऐसा लगता है कि बिना किसी जुड़ाई के पत्थर से ही इस मंदिर का निर्माण करवाया गया है।

सूर्य मंदिर के पत्थरों में विजय चिन्ह व कलश अंकित हैं। देव सूर्य मंदिर के स्थापत्य कला के बारे में कई तरह की किंवदंतियाँ है। मंदिर के स्थापत्य से प्रतीत होता है कि मंदिर के निर्माण में उड़िया स्वरूप नागर शैली का समायोजन किया गया है। नक्काशीदार पत्थरों को देखकर भारतीय पुरातत्व विभाग के लोग मंदिर के निर्माण में नागर शैली एवं द्रविड़ शैली का मिश्रित प्रभाव वाली वेसर शैली का भी समन्वय बताते है।

देव मंदिर दो भागों गर्भ गृह और मुख मंडप में बंटा है। करीब 100 फुट उंचे इस मंदिर का निर्माण बिना सीमेंट अथवा चूने-गारे का प्रयोग किए आयताकार, गोलाकार, त्रिभुजाकार वर्गाकार आदि कई रूपों में पत्थरों को काटकर बनाया गया है।

एक अन्य विवरण के अनुसार देवार्क को तीन प्रमुख सूर्य मंदिरों में से एक माना जाता है, अन्य दो लोलार्क (वाराणसी) और कोणार्क हैं। हर साल चैत्र मास व कार्तिक मास में होने वाले छठ पर्व पर लाखों श्रद्धालु छठ व्रत करने के लिए जुटते हैं।

कुमार राकेश मणि
(प्रधानाध्यापक)
UHS कोटा, नुआंव
(कैमूर) बिहार

ToB बालमन

रोचक गणित

रोमन संख्या

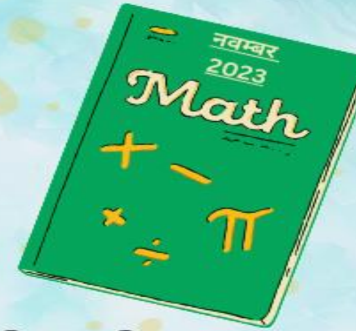

रोमन अंक एक प्रकार का अंक प्रणाली है। जिसे प्राचीन रोमन काल में संख्याओं की उनके वैल्यू के आधार पर व्यक्त करने के लिए विकसित किया गया था।

अंग्रेजी के सात बड़े अक्षर I, V, X, L, C, D और M से मिलकर बना हुआ संख्या को रोमन संख्या कहते है।

प्रतीक "I" का मान 1 है, और इसे तीन बार से अधिक दोहराया नहीं जाएगा।

प्रतीक "V" का मान 5 है, और इसे दोहराया नहीं जाएगा।

प्रतीक "X" का मान 10 है, और इसे अधिकतम तीन बार दोहराया जा सकता है।

प्रतीक "L" का मान 50 है, और इसे दोहराया नहीं गया है।

प्रतीक "C" का मान 100 है, और इसे तीन बार दोहराया जाता है।

प्रतीक "M" का मान 1000 है, और इसे अधिकतम तीन बार दोहराया जाता है।

सबसे बड़ा रोमनसंख्या“MMMCMXCIX=3999” होता हैं। मतलब 3999 से बड़ी संख्या को रोमन अंक में नहीं लिख सकते हैं।

रोमन अंक में शून्य (Zero या 0) लिखने के लिए कोई संकेत/प्रतीक नहीं है।

कुमार राकेश मणि
उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय कोटा नुआंव कैमूर

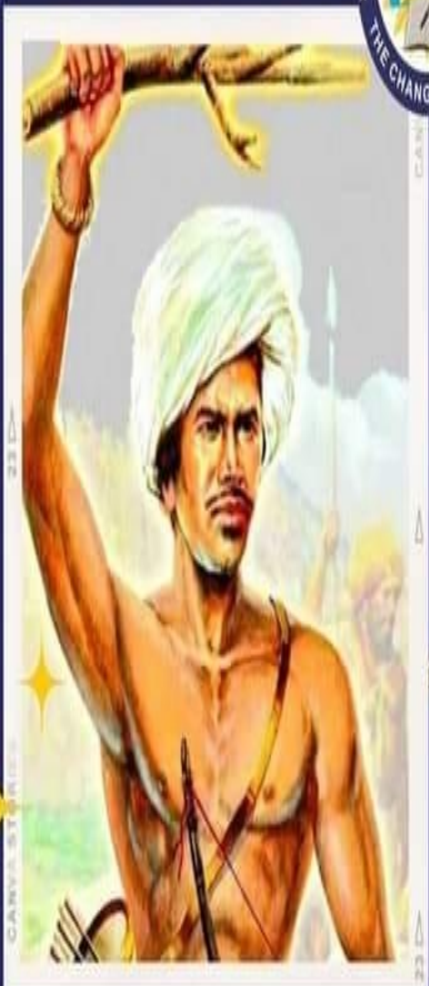

एक भारतीय आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी और मुंडा जनजाति के लोक नायक

बिरसा मुंडा

की जयंती पर कोटि-कोटि नमन।

जन्म- 15 नवम्बर 1875

मृत्यु - 9 जून 1900

www.teachersofbihar.org

Madhu priya

दिवस विशेष

मधु प्रिया

झारखंड राज्य का गठन 15 नवंबर

झारखंड राज्य का गठन 15 नवंबर 2000 को हुआ था। हर साल 15 नवंबर को झारखंड दिवस के रूप में मनाया जाता है। केंद्र सरकार ने 1989 में झारखंड मामले पर एक समिति का गठन किया। राम दयाल मुंडा, बी.पी. केसरी, विनोद बिहारी महतो, संतोष राणा और सूरज सिंह बेसरा ने मामले पर एक नई पहल की। इस क्षेत्र के लिए विकास निधि के अधिक आवंटन की आवश्यकता पर बल दिया। दिसंबर 1994 में झारखंड क्षेत्र स्वायत्त परिषद विधेयक बिहार विधान सभा में पारित हुआ। 1998 में केंद्र सरकार ने झारखंड राज्य के गठन से संबंधित विधेयक को बिहार विधान सभा में भेजने का निर्णय लिया। झारखंड में 21 सितंबर 1998 को बिहार विधान में मतदान हुआ था। भारत के उत्तरपूर्वी क्षेत्र में झारखण्ड नाम का एक राज्य है। बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश क्रमश: उत्तर, पूर्व, दक्षिण और पश्चिम में झारखंड के पड़ोसी हैं। रांची इसकी राजधानी के रूप में कार्य करता है। भारत के सबसे नए राज्यों में से एक, झारखंड, 2000 में बिहार के दक्षिणी क्षेत्र से अलग हो गया था। यह राज्य अपनी पहाड़ियों, पवित्र स्थलों और झरनों के लिए प्रसिद्ध है। रजरप्पा, बैद्यनाथ धाम और पारसनाथ कुछ प्रसिद्ध धार्मिक स्थल हैं। झारखंड राज्य कोयला, लौह अयस्क, ग्रेफाइट, मैग्नेटाइट और डोलोमाइट जैसे खनिज संसाधनों से समृद्ध है। झारखंड एकमात्र ऐसा राज्य है जो कोकिंग कोल, यूरेनियम और पाइराइट का उत्पादन करता है। झारखंड राज्य की 80% ग्रामीण आबादी अपनी आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर है। झारखंड की सबसे प्रमुख बहुउद्देशीय बिजली परियोजना दामोदर घाटी निगम है।

रंगोली विशेष

UMS खैरा, भभुआ

NPS ढढपिया, भभुआ

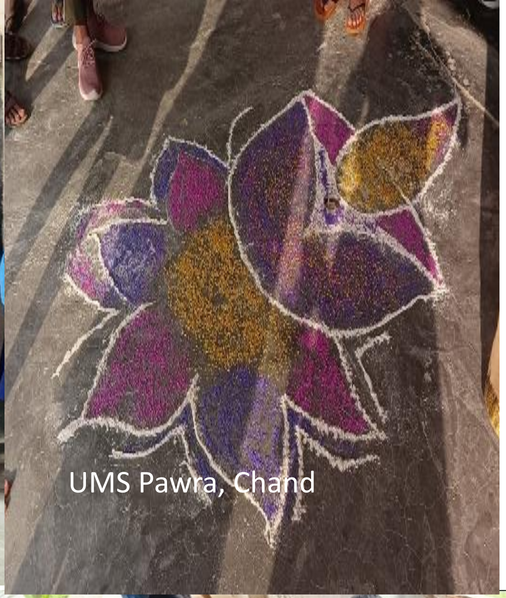

UMS Pawra, Chand

Ums barhariyan, Chand

U. U. M. S. Jigina, Chand

अनुसूचित जाति उत्क्रमित मध्य विधालय सिकठी भभुआ कैमुर छात्रा द्वारा रगोली बनाया गया।

Ums dhobaha., Chand

शुभ दीपावली

उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय सलथुआ, कुदरा (कैमूर)

UMS अर्रा, मोहनियां

UHS कोटा, नुआंव

TEACHERS OF BIHAR

बालमन कैमूर

नवम्बर 2023

Crossword Puzzle

छठ महापर्व

उत्क्रमित मध्य विद्यालय अर्रा, मोहनियां

राजकीयकृत मध्य विद्यालय डहरक , रामगढ

प्राथमिक विद्यालय मोहम्मदपुर, मोहनियां

उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय केवढ़ी कुदरा कैमूर

www.teachersofbihar.org

ToB खेल कॉर्नर

राकेश कुमार

क्रिकेट में टाइम आउट

क्रिकेट के नियम में 40.1.1 के अनुसार, बल्लेबाजी टीम का जब कोई विकेट गिरता है या फिर रिटायर होता है। इसके बाद 3 मिनट के भीतर नए बल्लेबाज को अगली बॉल खेलनी होती है। यदि क्रीज नया बल्लेबाज ऐसा नहीं कर पाता है तो उसे टाइम आउट नियम के तहत आउट दिया जाता है। हालांकि यह नियम तब लागू होगा जब बॉलिंग पक्ष की तरफ से इसके लिए अपील करें। नियम 40.1.2 के अनुसार अगर बल्लेबाज तीन मिनट के भीतर मैदान पर ही नहीं उतरता है तो ऐसी स्थिति में भी अंपायर के पास यह अधिकार है कि वह आउट का निर्णय दे सकता है। इसी नियम को टाइम आउट कहा जाता है।

शारीरिक शिक्षा प्रश्नोत्तरी

1. अर्जुन अवार्ड किसको दिया जाता है? – राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को
2. भारत में शारीरिक शिक्षा को किसने शुरू किया था? – एच. सी. बक
3. भारत में महिला हॉकी क्लब की स्थापना कब हुई? – 1975
4. ओलम्पिक ध्वज में गोलों की संख्या कितनी होती है? – 5
5. 'द्रोणाचार्य अवार्ड' किसको दिया जाता है? – सर्वश्रेष्ठ गुरु/शिक्षक
6. बास्केटबाल में मैच की शुरूआत कैसे होती है? – थ्रो बाल
7. बास्केटबाल के जन्मदाता कौन है? – नॉर्थ स्मिथ
8. बास्केटबाल कोर्ट की माप कितनी होती है? – 28×15 मीटर
9. 'खो–खो' मैदान की माप क्या होती है? – 29×16 मीटर
10. 'अभ्यास का नियम' को और किस नाम से जाना जाता है? – उपयोग और अनुपयोग का नियम

जारी....

TEACHERS OF BIHAR

नवम्बर 2023

बालमन कहानी

बोध

लकड़ा जेब से पिस्तौल निकालकर ज्यों ही गोलियाँ चलाता कि यकायक उसके हाथ रुक गये। यह क्या? ये तो विभाष सर हैं! भला इन्हें कैसे मार सकता है वह? इधर गोलियाँ चलने में विलंब होने पर मोटरसाइकिल चला रहे उसका संगी बुधना उसे ललकारा -" देखता क्या है ? चला गोलियाँ। आसपास कोई है भी नहीं।"

दोनों के बीच वार्तालाप होते-होते विभाष सर पास आ चुके थे। हल्का अंधेरा होने पर भी वे लकड़ा को पहचान कर बोले -" क्या बात है लकडू? मुझे आता देख अपना चेहरा क्यों घुमा लिया? सब ठीक-ठाक तो है?"

"जी , यूं ही कुछ काम से आया था ।"जैसे अकचकाकर बोला था वह।

लकड़ा को याद है। जब वह गांव के स्कूल में पढ़ता था तब एक दिन उसने अपने सहपाठी सोनू का आपसी द्वन्द्व में सिर फोड़ दिया था।सोनू के घर वाले उसकी जान लेने पर उतारू हो गये थे, पर विभाष सर बीच-बचाव कर उसे बचा लिया था। यह भी कि एक बार जब वह जोरों से बिमार पड़ गया था और माँ के पास इलाज के एक भी रुपया नहीं था तब संवाद सुनते ही वे डॉक्टर और दवाइयों के रुपये देकर उसकी जान बचाई थी।

फिर तबादला से पहले तक वे पढ़ने के लिए हमेशा उसे प्रोत्साहित करते रहे,परन्तु उनके जाने के बाद वह ऐसा कुसंगत में पड़ा कि आज मात्र पच्चीस-पचास हजार रुपये की सुपारी लेकर लोगों की जान लेने लगा है।

लकड़ा को अन्यमनस्क सा देख विभाष सर चले गये थे,पर इतना इख्तियार देते गये कि जरूरत पड़ने पर वह नि: संकोच उसके पास चला आये।

विभाष सर के जाने के बाद लकड़ा की आत्मा जैसे चीत्कार उठी थी। आज तो उससे घोर अनर्थ हो जाता! पैसे के लिए इतना गिर चुका है कि वह अपने देवता स्वरूप विभाष सर की हत्या कर देता! नहीं, नहीं। अब वह हत्या-अपहरण हरगिज नहीं करेगा। चाहे राका उसकी जान ही क्यों नहीं ले ले। बुदबुदाते हुए अपनी पिस्तौल झारियों की ओर जोर से फेंककर बुधना से खुलकर बोला -" राका से बोल देना। आज के बाद लकड़ा कोई कुकृत्य नहीं करेगा।"

बुधना अभी कुछ बोलता, वह तेजी से दूसरी ओर निकल चुका था।

लेखक परिचय

संजीव प्रियदर्शी

(सहायक शिक्षक)

फिलिप उच्च माध्यमिक विद्यालय बरियारपुर, जिला- मुंगेर

(बिहार)

विज्ञान कॉर्नर

धातु और अधातु कक्षा 10

अयस्कों का सान्द्रण

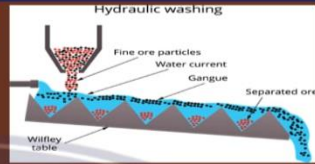

धातुओं के निष्कर्षण के लिए अयस्कों का सान्द्रण बहुत जरूरी है। अयस्कों में उपस्थित अशुद्धियों को विभिन्न विधियों द्वारा साफ किया जाता है।

1. हाथ से चुनकर (Hand Picking) –

अयस्क में उपस्थित बड़े आकर के टुकड़ों (अशुद्धियों) को हाथ से चुनकर अलग कर लिया जाता है।

2. गुरुत्व पृथक्करण विधि –

यह विधि वैसे अयस्कों के लिए प्रयुक्त होती है जिसमें अयस्क के कण उसमें उपस्थित अशुद्धियों से भारी होती हैं। अयस्क के चूर्ण को जल के तेज प्रवाह के साथ उसे कई मेढ़ो से युक्त एक कंपन करने वाले टेबल से होकर गुजारा जाता है। ऐसा करने से अयस्क के भारी कण मेढ़ों द्वारा रोक लिए जाते हैं जबकि कीचड़युक्त जल मेढ़ों के ऊपर से होकर निकल जाते हैं।

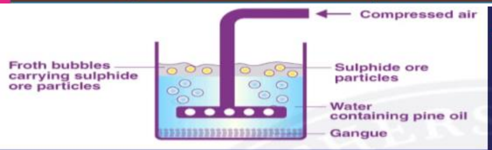

फेन प्लवन विधि (फेन उत्प्लावन विधि)

- इस विधि में सल्फाइड अयस्क के चूर्ण को जल से भरी टंकी में डालते हैं।
- इसके बाद जल में तेल डालकर वायु प्रवाह द्वारा खूब आलोड़ित किया जाता है। घुलनशील अपद्रव्य जल में घुल जाते हैं और अयस्क के हल्के कण फेन के साथ जल के सतह के ऊपर आ जाते हैं जिन्हें अलग कर लिया जाता है।
- अशुद्धियाँ नीचे बैठ जाती है।
- फेन को सुखाकर शुद्ध अयस्क प्राप्त कर लेते हैं।

ताँबा, लेड और जस्ता के सल्फाइड अयस्कों का सान्द्रण इस विधि से किया जाता है।

चुम्बकीय पृथक्करण विधि

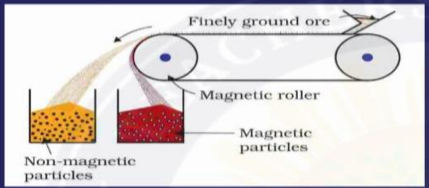

यह विधि वैसे अयस्कों के लिए प्रयुक्त होती है जिसमें अयस्क और उसमें उपस्थित अशुद्धियों में कोई एक चुम्बकीय हो।

- सबसे पहले अयस्क को पीसकर महीन चूर्ण बना दिया जाता है।
- इस चूर्ण को एक विद्युत चुम्बकीय बेलनों के बेल्ट पर डालकर मशीन को चालू कर दिया जाता है।
- अयस्क में अगर अशुद्धियाँ चुम्बकीय गुण के हो तो वह चुम्बक की ओर आकर्षित होकर एक पात्र में जमा हो जाता है।
- अचुम्बकीय पदार्थ या अयस्क एक अलग पात्र में एकत्रित हो जाता है।

इस विधि से लोहा और टिन जैसे धातुओं का सान्द्रण किया जाता है।

रासायनिक विधि (निक्षालन) LEACHING

- इस विधि में अयस्क को एक विशेष विलायक में डालते हैं क्योंकि अयस्क इस विशेष विलायक में घुलनशील होता है जबकि अपद्रव्य या अशुद्धियाँ अघुलनशील ।
- पुनः घुले हुए अयस्क के विलयन को एक विशेष विलायक में डाल जाता है जहाँ अयस्क अवक्षेप के रूप में बदल जाता है।
- ऐलुमिनियम के अयस्क बॉक्साइट में उपस्थित अपद्रव्य को इसी विधि द्वारा सांद्रित किया जाता हैं।

राजेश कुमार सिंह

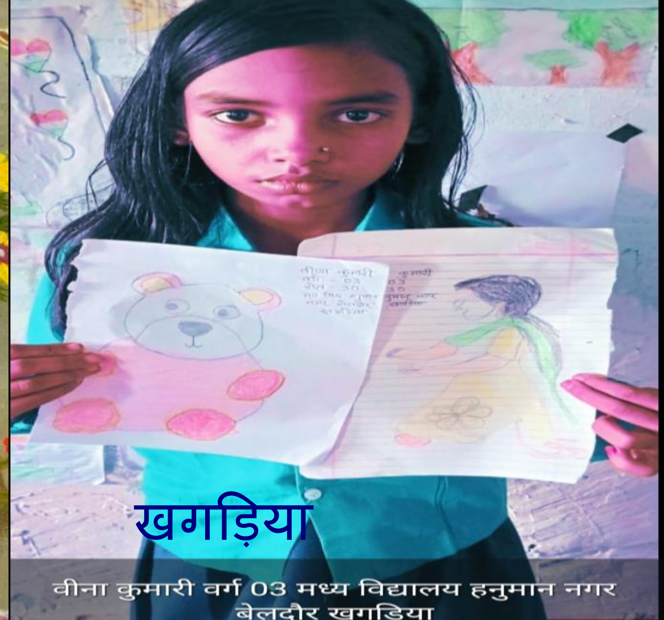

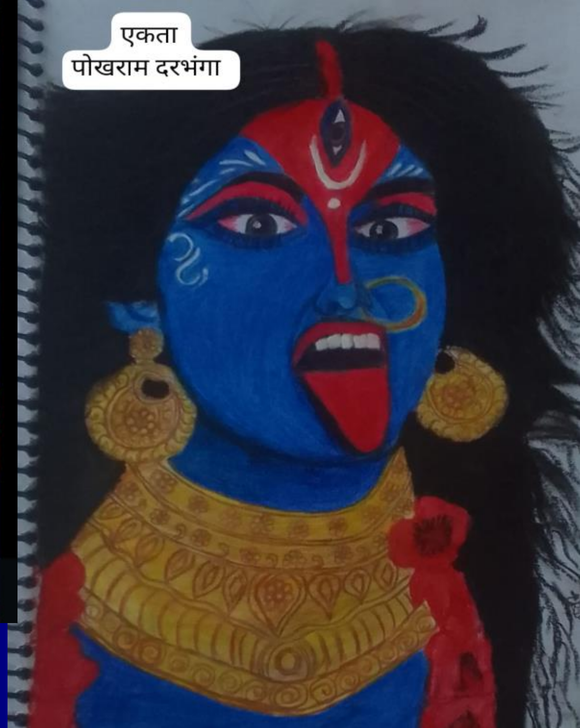

ToB बालमन बिहार भाग 1

ToB बालमन बिहार भाग 2

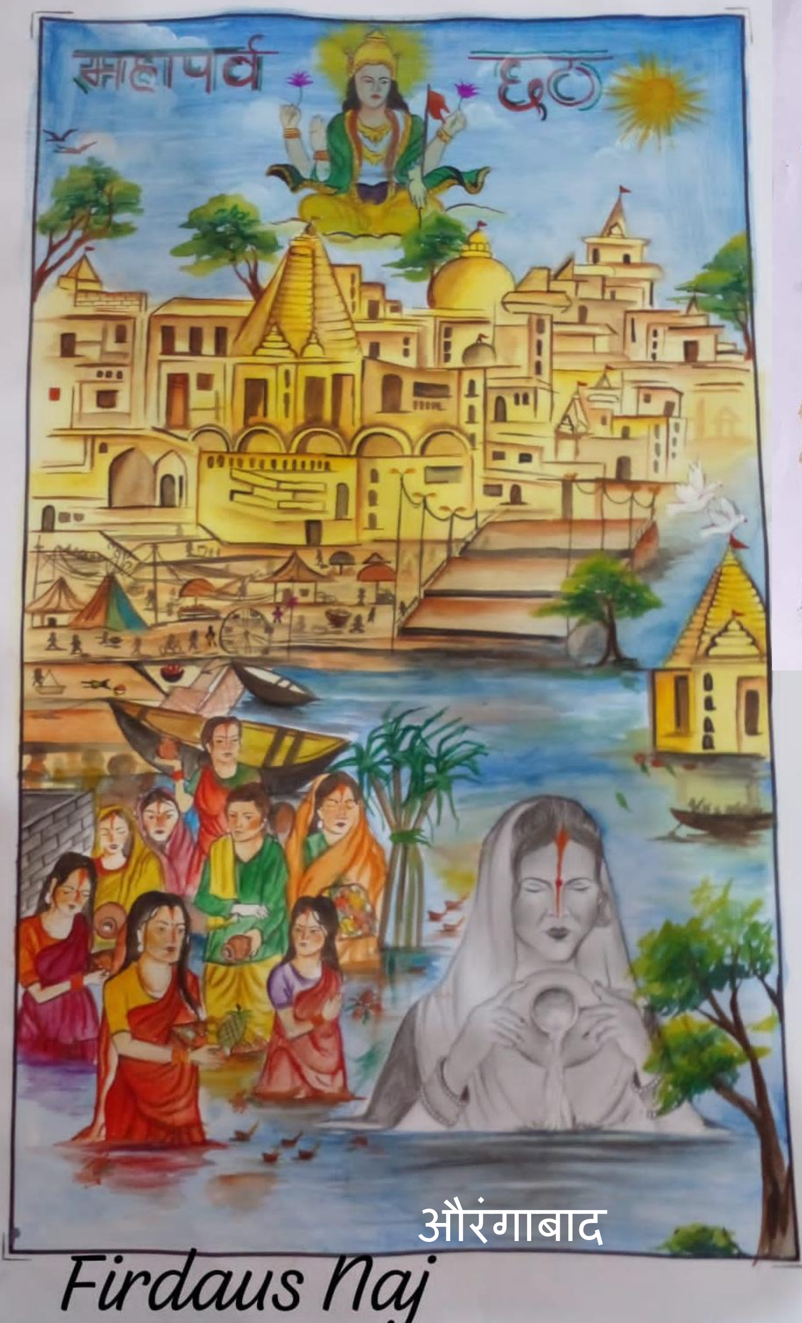

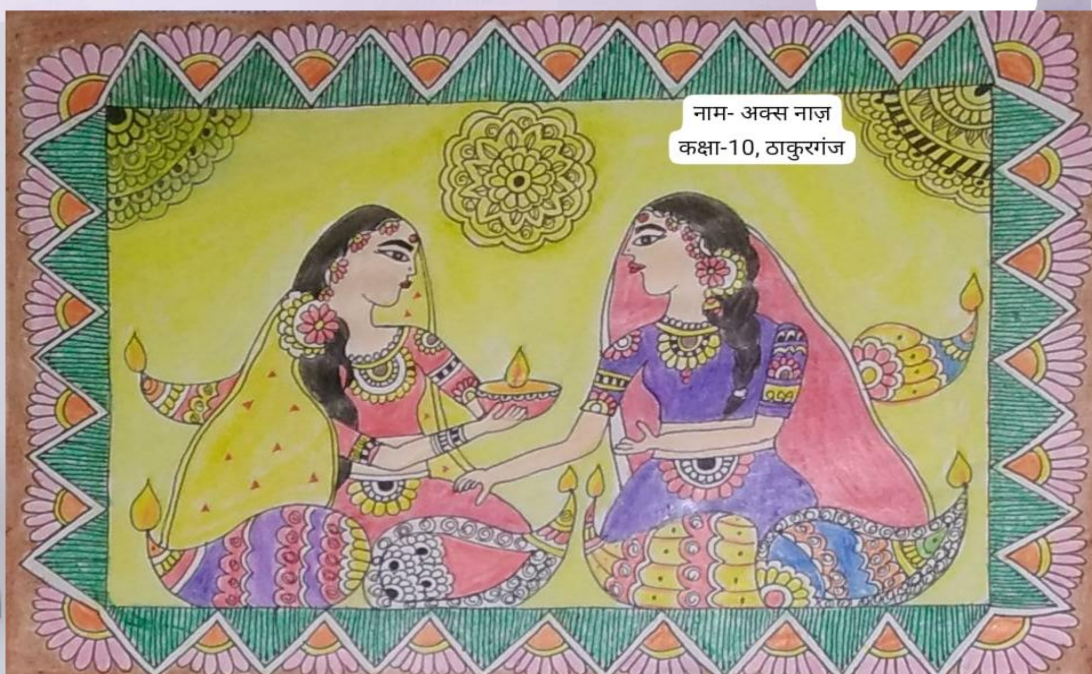

स्थानीय मान चकरी

आज शिक्षा के क्षेत्र में नवाचारी शिक्षण पद्धतियों की महत्वपूर्ण भूमिका से इन्कार नहीं किया जा सकता है। इनके प्रयोग से शिक्षण कार्य सरल एवं मनोरंजक बन जाता है तथा विषय-वस्तु की अवधारणा स्पष्ट करने में सहुलियत होती है।

निर्माण सामग्री :- 32 सेमी * 22 सेंमी आकार के कुट (दफ्ती) के दो आयताकार टुकड़े, 18 सेंमी व्यास वाले सफेद सनमाइका या प्लास्टिक के दो वृताकार चकरी, आधा ईंच की दो कांटी, एक लाल और एक सफेद मोटा वाला मार्कर पेन, गोंद आदि।

निर्माण विधि :- कुट के एक टुकड़े के ठीक बीचों-बीच चित्रानुसार एक बड़ा विन्डो बनाएंगे।बडे विन्डो के नीचे दोनों तरफ एक एक छोटा विन्डो बनाएंगे।अब बिना विन्डो वाले आयताकार टुकड़े को नीचे रखकर उसपर वृताकार चकरी को इस तरह व्यवस्थित करेंगे कि बीच में एक चकरी दुसरे चकरी पर थोड़ा चढ़ा हुआ हो जो देखने पर समझ में न आए।अब विन्डो वाले टुकड़े को इसके ऊपर इस प्रकार रखेंगे कि बीच वाले विन्डो से दोनों चकरी का बराबर-बराबर भाग दिखाई दे।अब दोनों चकरी के बीच में कांटी लगाकर कुट के दोनों टुकड़ों के आर-पार जाम कर देंगे। व्यवस्थित करने के क्रम में यह ध्यान देना होगा कि दोनों चकरी का थोड़ा सा भाग दोनों तरफ दिखाई दे जिसे अंगुली से चलाया जा सके। फिर बाएं वाले चकरी पर बड़े विन्डो में 0 से 9 तक अंकों को लाल मार्कर पेन से तथा दाएं वाले चकरी पर काले मार्कर पेन से लिख देंगे।उपर वाले विन्डो में जो अंक दिखाई देता है उसके नीचे वाले विन्डो में उसका स्थानीय मान लिख देते हैं। दोनों के बीच में + चिह्न लगा देते हैं तथा किनारे के शेष भाग को गोंद से सटा देंगे।

प्रयोग विधि :- टी.एल.एम. के दोनों तरफ चकरी का जो थोड़ा भाग दिखाई दे रहा है उसे ऊंगली के सहारे घुमाकर बड़े विन्डो में अपने इच्छानुसार 0 से 99 तक की संख्याओं को ला सकते हैं। जैसे ही कोई संख्या बड़े विन्डो में दिखाई देती है, उसके अंकों का स्थानीय मान नीचे वाले दोनों विन्डो में स्वत: दिखाई देने लगते हैं।

उपयोगिता :- इस टी.एल.एम. के सहारे हम बच्चों में स्थानीय मान की अवधारणा को स्पष्ट कर सकते हैं। सबसे बड़ी बात यह कि बच्चे खुद इसे अपने हाथों से चलाकर समझ सकते हैं।

अवधेश राम,उत्क्र.म.वि. बहुआरा,
प्रखंड भभुआ, कैमूर, बिहार।

फोटो ऑफ द मंथ भाग 1

प्रत्येक माह एक खास वयक्ति कार्यक्रम
NPS तरहनी , कुदरा (कैमूर)

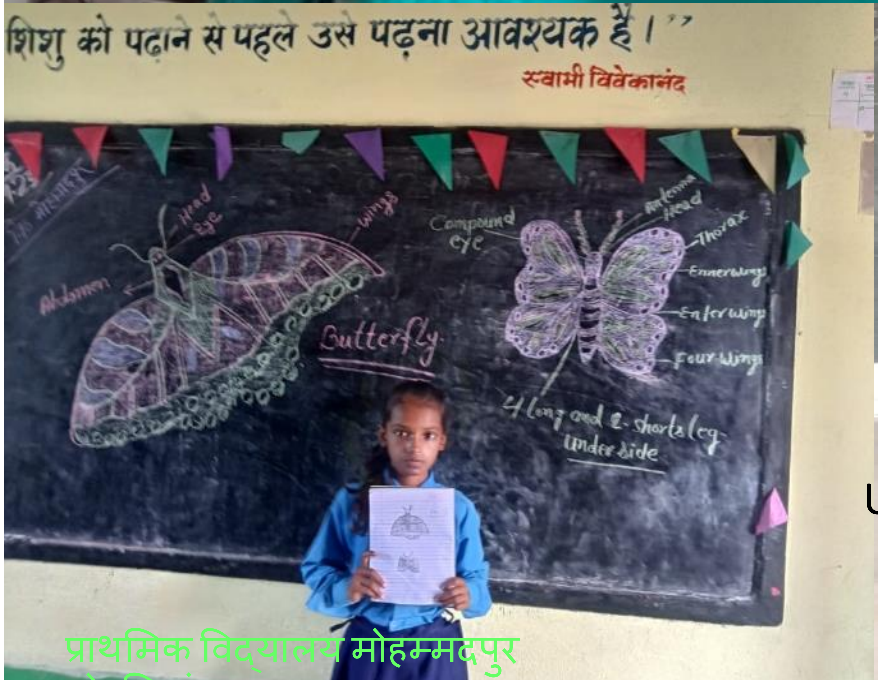

प्राथमिक विद्यालय मोहम्मदपुर

UHS कोटा, नुआंव

फोटो ऑफ द मंथ भाग 2

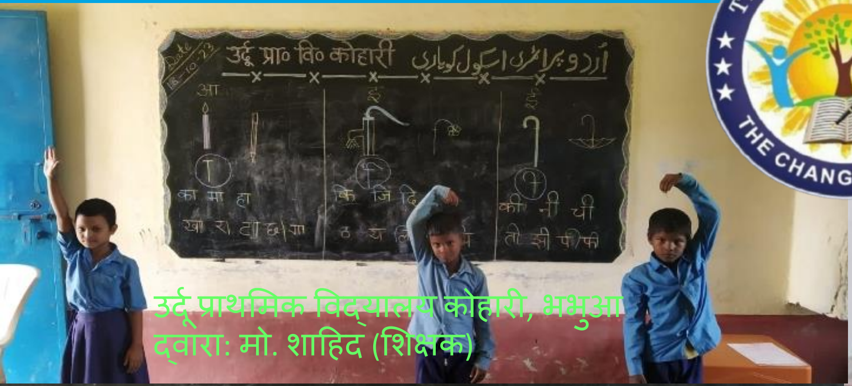

उर्दू प्राथमिक विद्यालय कोहारी, भभुआ
द्वारा: मो. शाहिद (शिक्षक)

NPS सितमपुरा ,भभुआ
द्वारा: अंगद कुमार (शिक्षक)

UMS अर्रा , मोहनियां
द्वारा: संगीता कुमारी (शिक्षिका)

मध्य विद्यालय बम्हौर, मोहनियां
द्वारा: शैलेश कुमार सिंह (शिक्षक)

UHS हरदासपुर ,कुदरा (कैमूर)
द्वारा : ब्रजेश कुमार (शिक्षक)

फोटो ऑफ द मंथ भाग 3

बालमन में प्रकाशितप्रतिभा वाले बच्चों को सम्मानित करते हुए राजू कुमार प्रजापति सर
UMS खझरा, मोहनियां

मिला का दृश्य प्रदर्शित करते शिक्षक अंगद कुमार
NPS सीतमपुरा, भभुआ

Apat स्थिति में उपचार कार्य की जानकारी
शिक्षक नंदकिशोर राय

फोटो ऑफ द मंथ भाग 4

NPS भेरी, चांद

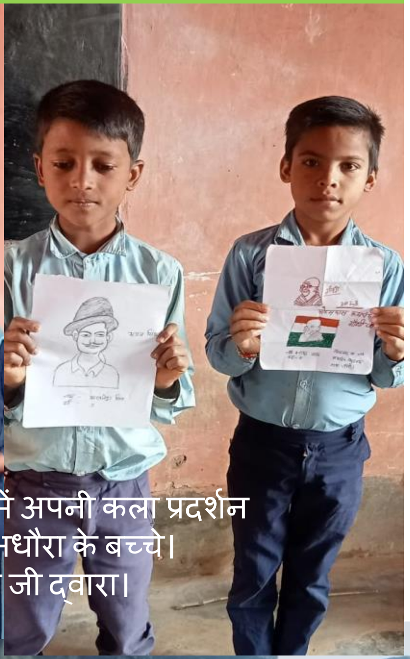

पहाड़ी क्षेत्र अधौरा में अपनी कला प्रदर्शन
NPS मडपा , हिंदी अधौरा के बच्चे।
शिक्षिका पद्मावती जी द्वारा।

नाखून काटते हुए शिक्षिका बबिता देवी
Ups akhlaspur

विद्यालय परिसर की सफाई करते शिक्षक धीरज कुमार
UMS सिलौटा, भभुआ

फोटो ऑफ द मंथ भाग 5

सैल्यूट सर
UHS महुवारी, भभुआ

प्राथमिक विद्यालय मोहम्मदपुर,
मोहनियां में घरौंदा बना दीपावली

UHS बैजनाथ , रामगढ़

UHS बहेरिया, चांद ने दीप निर्माण

शिक्षा शब्दकोश

[redacted]

शैक्षिक शोध

शैक्षिक अनुसंधान से तात्पर्य उस अनुसंधान से होता है जो शिक्षा के क्षेत्र में किया जाता है। उसका उद्देश्य शिक्षा के विभिन्न पहलुओं, आयामों, प्रक्रियाओं आदि के विषय में नवीन ज्ञान का सृजन, वर्तमान ज्ञान की सत्यता का परीक्षण, उसका विकास एवं भावी योजनाओं की दिशाओं का निर्धारण करना होता है।

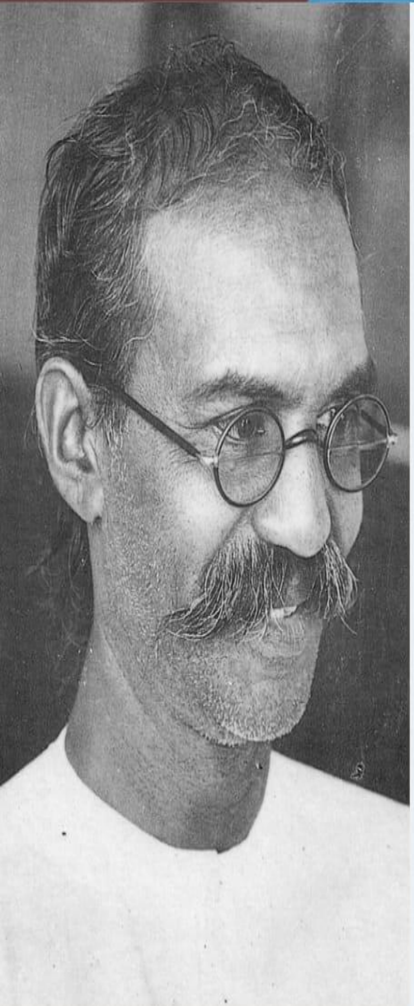

गिजूभाई बधेका

जन्मदिन 15 नवंबर

"

जब तक बालक घर में मार खाते हैं गलियों में दुर्गंध खाते हैं, विद्यालय में गालियां खाते हैं तब तक मुझे चैन कैसे मिले?

जब तक बालकों के लिए जगह-जगह विद्यालय ना बने, वाचनालय न बनें, बाग-बगीचा ना बने, नाटकघर न बनें, सिनेमा ना बनें तब तक मुझको चैन कैसे पड़े?

जब तक एक भी बालक असम्मानित है,अस्पृश्य है,बीमार है, गंदा है और अव्यवस्थित है तब तक मुझको चैन कैसे पड़े?

गिजूभाई बधेका

मूछों वाली मां का जन्मदिन मुबारक हो

अंतर्राष्ट्रीय

विद्यार्थी दिवस

17 नवंबर

टीचर्स ऑफ बिहार परिवार समस्त छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

www.teachersofbihar.org

Madhu priya

NEWS COVERAGE

मूल्य :02 रु.
सासाराम, रविवार
29 अक्टूबर, 2023
वर्ष :10 अंक: 19
पृष्ठ : 12
हिन्दी दैनिक
आजादी अभिव्यक्ति की
मीडिया दर्शन
www.mediadarshan.in
नई दिल्ली, गाजियाबाद बस्ती, और सासाराम से प्रकाशित

बाल मन कैमूर के बच्चों को किया पुरस्कृत

मीडिया दर्शन रामगढ़ कैमूर / बालमन कैमूर द्वारा विजयादशमी त्योहार के उपलक्ष्य में पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से थीम (वर्ग 1 से 5) के बच्चों से दुर्गा मूर्ति पूजा मिट्टी से निर्माण रहा।वही वर्ग 6 से 8) के बच्चों हेतु रद्दी कागज,कूट,कपड़ा आदि से निर्मित दुर्गा पंडाल। (वर्ग 9 से 12) के बच्चों के लिए पर्यावरण बचाव मॉडल पर आधारित थीम रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता मीरा कुमारी उ.उ.वि. भलुहारी चांद, संचालन प्रीति कुमारी उ.म.वि. धोबहा, चांद के द्वारा किया गया। मौके पर बालमन टीम सदस्य सुमन सिंह पटेल, कुमारीपूनम, विनीता तिवारी, पूनम कुमारी, दीपशिखा, पूनम तिवारी,शिव कुमारी, रीता विश्वकर्मा, आरती गुप्ता, बालमन चांद के प्रधान संपादक प्रमोद कुमार "निराला" आदि अभिभावक उपस्थित रहे।

राष्ट्रपति व राज्यस्तरीय शिक्षक सम्मान से नवाजे जा चुके हैं चारों शिक्षक

दिल्ली में पीएम इ-विद्या डीटीएच कार्यशाला में शामिल हुए कैमूर के चार शिक्षक

पुरस्कार

बिहार से सात शिक्षकों के चयन में कैमूर के चार शिक्षक शामिल

प्रतिनिधि, रामगढ़

देश की राजधानी दिल्ली में तीन दिवसीय चलने वाले पीएम इ-विद्या डीटीएच इ-कंटेंट निर्माण का सीआइइटी, एनसीइआरटी कार्यशाला में कैमूर के चार शिक्षकों ने भाग लेकर जिले के विद्यालयों में डिजिटल शिक्षा प्रणाली को लेकर ऊंची उड़ान भरने का काम किया है. उक्त कार्यशाला में बिहार, उत्तराखंड व गुजरात राज्य के कुल 20 शिक्षकों ने भाग लिया. इसमें बिहार से सात शिक्षकों ने भाग लिया.

कार्यशाला में मिले प्रमाण पत्र के साथ कैमूर के शिक्षक.

खास बात यह है कि बिहार के सात चुने गये शिक्षकों में कैमूर से चार शिक्षकों ने भाग लिया, जिसमें 2021 में राष्ट्रपति शिक्षक सम्मान से नवाजे गये डहरक विद्यालय से हरिदास शर्मा, 2023 में राष्ट्रपति शिक्षक सम्मान से नवाजे गये बालिका प्लस टू विद्यालय रामगढ़ के अनिल कुमार सिंह व वर्ष 2022 में राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान से नवाजे गये कुदरा के हरिदासपुर विद्यालय के शिक्षक कमलेश कुमार व सिलौटा विद्यालय के शिक्षक धीरज कुमार शामिल रहे. कार्यशाला को लेकर प्रधानाध्यापक हरिदास शर्मा ने बताया कि एनसीइआरटी नयी दिल्ली में 18 से 20 अक्तूबर तक प्रशिक्षण प्राप्त किये. पीएम इ-विद्या अंतर्गत बिहार को इ-कंटेंट प्रसारित करने के लिए दूरदर्शन द्वारा पांच चैनल उपलब्ध कराये गये हैं, जिसपर वर्ग एक से 12वीं तक के बच्चों हेतु शिक्षण कार्य प्रारंभ है, इसे और समृद्ध करने के उद्देश्य से प्रत्येक राज्य के शिक्षक के संवर्द्धन हेतु यह कार्यशाला आयोजित किया गया था. प्रशिक्षण के माध्यम से बहुत सारी नयी तकनीक की जानकारी प्राप्त हुई. यह शिक्षण कंटेंट तैयार करने में सहायक सिद्ध होंगे और इससे पूरे बिहार के शिक्षक व छात्र लाभान्वित होंगे.

तीन दिवसीय कार्यशाला में एनसीइआरटी के विद्वत व्याख्याता अखिलेश वर्मा, कमलेश कुमार यादव, डॉ रुचि, डॉ निधि सिंह, डॉ यशपाल शर्मा, मोनिका व सलमान द्वारा ई कंटेंट तैयार करने के संपूर्ण विधि की जानकारी दी गयी. इस दौरान कैसे स्क्रिप्ट तैयार किया जाता है, वीडियो शूटिंग व उनकी एडिटिंग कैसे होती है. चरणबद्ध तरीके से तीन दिनों में सभी शिक्षकों को बेहतर प्रशिक्षण देने के पश्चात उन्हें संयुक्त निदेशक सीआइइटी, एनसीइआरटी प्रो अमरेंद्र बेहरा, अध्यक्ष, पीआरडी शशि प्रभा व प्रभारी, पीएम इ-विद्या डॉ अभय कुमार द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया.

epaper.prabhatkhabar.com
प्रभात खबर Sun, 22 October 2023
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/73733901

बालमन चांद के सौजन्य से दुर्गा पूजा व विजयदशमी के उपलक्ष्य में बंटा पुरस्कार

कैमूर (ज्ञानशिखा टाइम्स)। कन्या मध्य विद्यालय चांद, कैमूर में बालमन चांद के सौजन्य से दुर्गा पूजा व विजयदशमी के उपलक्ष्य में पुरस्कार वितरण किया गया। इसमें थीम वर्ग 1 से 5 के बच्चों हेतु दुर्गा मूर्ति पूजा मिट्टी से निर्माण, वर्ग 6 से 8 के बच्चों हेतु रद्दी कागज, कूट, कपड़ा आदि से निर्मित दुर्गा पंडाल, वर्ग 9 से 12 के बच्चों हेतु पर्यावरण बचाव मॉडल रहा। अध्यक्षता मीरा कुमारी उ.उ.वि. भलुहारी चांद, संचालन प्रीति कुमारी उ.म.वि. धोबहा, चांद के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में बालमन टीम सदस्य सुमन सिंह पटेल, कु.पूनम, विनीता तिवारी, पूनम कुमारी, दीपशिखा, पूनम तिवारी, शिव कुमारी, रीता विश्वकर्मा, आरती गुप्ता, बालमन चांद के प्रधान संपादक प्रमोद कुमार निराला आदि उपस्थित रहे। प्रथम पुरस्कार 1 से 5 में संध्या कुमारी वर्ग 3 उ. उ वि. भलुहारी चांद प्रथम पुरस्कार 6 से 8 में विमलेश कुमार वर्ग 6 म.वि.पाढी चांद प्रथम पुरस्कार वर्ग 9 से 12 सोनाली कुमारी वर्ग 9 उ.उ.वि.भलुहारी चांद द्वितीय पुरस्कार वर्ग 6 से 8 आरूषी कुमारी और वंदना कुमारी वर्ग 8 म.वि.पाढी चांद तृतीय पुरस्कार आकाश कुमार वर्ग 7 म.वि.चांद सांत्वना पुरस्कार अर्चना कुमारी वर्ग 5 बेसिक विद्यालय अइलाय नेहा कुमारी वर्ग 5 न्यू प्रा.वि.भेरी चांद सहित कुल आठ छात्रों को बालमन चांद टीम के सौजन्य से पुरस्कार वितरित किया गया।

NEWS COVERAGE

Azad Contribution Excellence Award (ACEA)

Presented to

DHIRAJ KUMAR

Upgraded Middle School Silauta, Bhabua, Kaimur

For your contribution in 'Teachers of Bihar' as

BalMan Team Leader

In recognition of their exceptional and unwavering dedication to the betterment of education , their exemplary leadership, and their commitment to achieving excellence in all their endeavors.

This award is a testament to their outstanding contributions, reflecting the spirit of Azad and inspiring others to follow in their path of positive impact.

This certificate was awarded on November 11, 2023.

Shiv Kumar, Founder ToB | Prof. Chandan Shrivastava, Academic Coordinator, Bhartiya Bhasha Samiti | Dr. Rashmi Prabha, Joint Director, SCERT BIHAR | Prof. Usha Sharma, Incharge, National Literacy Center Cell, Elementary Education Department, NCERT, New Delhi

C.N.: ToB/ACEA/2023/00060 www.teachersofbihar.org

Azad Contribution Excellence Award (ACEA)

Presented to

PRAMOD KUMAR

G.M.S. Chand, Chand, Kaimur

For your contribution in 'Teachers of Bihar' as

BalMan Team Leader

In recognition of their exceptional and unwavering dedication to the betterment of education , their exemplary leadership, and their commitment to achieving excellence in all their endeavors.

This award is a testament to their outstanding contributions, reflecting the spirit of Azad and inspiring others to follow in their path of positive impact.

This certificate was awarded on November 11, 2023.

Shiv Kumar, Founder ToB | Prof. Chandan Shrivastava, Academic Coordinator, Bhartiya Bhasha Samiti | Dr. Rashmi Prabha, Joint Director, SCERT BIHAR | Prof. Usha Sharma, Incharge, National Literacy Center Cell, Elementary Education Department, NCERT, New Delhi

C.N.: ToB/ACEA/2023/00061 www.teachersofbihar.org

आजाद कंट्रीब्यूशन एक्सीलेंस अवॉर्ड : राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर मिला एनसीईआरटी की प्रो. उषा शर्मा और एससीईआरटी की डॉ. रश्मि प्रभा के संयुक्त हस्ताक्षर युक्त सम्मान पत्र

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर सम्मानित हुए टीचर्स ऑफ बिहार के टीम लीडर्स, मॉडरेटर्स, डिस्ट्रिक्ट मेंटर्स एवं ब्लॉक मेंटर

दैनिक शुभ भास्कर। टीचर्स ऑफ बिहार के टीम लीडर्स को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर मिला एनसीईआरटी की प्रो. उषा शर्मा और एससीईआरटी की डॉ. रश्मि प्रभा के संयुक्त हस्ताक्षर युक्त सम्मान पत्र "आजाद कंट्रीब्यूशन एक्सीलेंस अवॉर्ड"। शिक्षा के क्षेत्र में योगदान को देखते हुए भारत के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद के जन्मदिन की स्मृति में प्रत्येक वर्ष 11 नवंबर को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाया जाता है। प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा विशेष थीम निर्धारित किया जाता है। इस वर्ष भी शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार की ओर से एक विशेष थीम निर्धारित की गई है। इस वर्ष की थीम "एम्ब्रेसिंग इनोवेशन" है जो रचनात्मक और अद्वितीय शिक्षण विधियों को बढ़ावा देने के लिए नवीन दृष्टिकोण के महत्व पर जोर देता है। इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु निर्मित बिहार की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स आफ बिहार के द्वारा बिहार के विभिन्न जिले के शिक्षकों के द्वारा अपने-अपने विद्यालयों में आयोजित होने वाली नवाचारी गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कार्य करने वाले टीम लीडर्स, डिस्ट्रिक्ट मेंटर्स, ब्लॉक मेंटर्स एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के मॉडरेटर्स को एनसीईआरटी नई दिल्ली की प्रोफेसर उषा शर्मा, प्रभारी, राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र प्रकोष्ठ, प्रारंभिक शिक्षा विभाग, एससीईआरटी पटना की संयुक्त निदेशक (डायट) डॉ. रश्मि प्रभा, प्रभारी, अकादमिक समन्वयक, भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, चंदन श्रीवास्तव एवं टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार के संयुक्त हस्ताक्षर से निर्गत डिजिटल सर्टिफिकेट "आजाद कंट्रीब्यूशन एक्सीलेंस अवॉर्ड" से सम्मानित किया गया। "आजाद कंट्रीब्यूशन एक्सीलेंस अवॉर्ड" की घोषणा टीचर्स ऑफ बिहार के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पेज पर ऑनलाइन मोड में आयोजित समारोह के माध्यम से की गई। "आजाद कंट्रीब्यूशन एक्सीलेंस अवॉर्ड" से सम्मानित होने वालों में ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन को टेक्निकल टीम लीडर, अररिया जिले के शिक्षक सत्यनारायण साह को फेसबुक टीम लीडर, पूर्वी चंपारण जिले के शिक्षक मृत्युंजय ठाकुर को कुटुंब टीम लीडर, भागलपुर जिले की शिक्षिका खुशबू कुमारी को ट्वीटर टीम लीडर, अररिया जिले के शिक्षक रंजेश कुमार को कू एप एवं न्यूज टीम लीडर, शिक्षिका मधु प्रिया को लिंकडिन एप एवं पोस्टर टीम लीडर, भागलपुर जिले की शिक्षिका शालिनी कुमारी को पिनिंट्रेस्ट एप टीम लीडर, मधेपुरा जिले की शिक्षिका शिवानी प्रिया को यूट्यूब एप टीम लीडर, सिवान जिले की शिक्षिका अनुपमा प्रियदर्शिनी को राइटर्स टीम लीडर, गोपालगंज जिले की शिक्षिका पुष्पा प्रसाद को फोटो ऑफ द डे टीम लीडर, औरंगाबाद जिले की शिक्षिका मृदुला सिन्हा को वीडियो ऑफ द डे टीम लीडर, बांका जिले की शिक्षिका रूबी कुमारी को बाल मंच टीम ल
समस्तीपुर जिले के शिक्षक अ
कुमार प्रभाकर को दैनिक प
चेतना टीम लीडर, औरंगाबाद
के शिक्षक चंद्रशेखर प्रसाद सा
ई-मैगजीन टीम लीडर, सुपौल
के शिक्षक सौरभ सुमन को दक्ष
लीडर कैमूर जिले के शिक्षक
कुमार को बाल मन टीम लीडर
कमलेश कुमार को बाल मन
लीडर कुदरा, प्रमोद कुमार निराल
बाल मन टीम लीडर चांद एवं
के विभिन्न जिले के डिस्ट्रिक्ट
ब्लॉक मेंटर का नाम शामिल है।
जानकारी टीचर्स ऑफ बिहा
प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं
मीडिया संयोजक मृत्युंजय ठाकु
संयुक्त रूप से दी।

दैनिक भास्कर

सासाराम / कैमूर भास्कर 15-11-2023

शिक्षा-दीक्षा • शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर करने पर शिक्षकों को दिया गया आजाद कंट्रीब्यूशन एक्सीलेंस अवॉर्ड

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर कैमूर के 11 शिक्षक सम्मानित हुए

सिटीरिपोर्टर|भभुआ

शिक्षा दिवस पर कैमूर के 11 शिक्षकों को आजाद कंट्रीब्यूशन एक्सीलेंस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। बता दें कि शिक्षा के क्षेत्र में योगदान को देखते हुए भारत के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद के जन्मदिन की स्मृति में प्रत्येक वर्ष 11 नवंबर को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाया जाता है। प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा विशेष थीम निर्धारित किया जाता है। इस वर्ष भी शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार से एक विशेष थीम निर्धारित की गई है। इस वर्ष की थीम एम्ब्रेसिंग इनोवेशन है जो रचनात्मक और शिक्षण गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए नवीन दृष्टिकोण के महत्व पर जोर देता है। इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु निर्मित बिहार की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स आफ बिहार के द्वारा बिहार के विभिन्न जिले के शिक्षकों के द्वारा अपने-अपने विद्यालयों में आयोजित होने वाली नवाचारी गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कार्य करने वाले टीम लीडर्स, डिस्ट्रिक्ट मेंटर्स, ब्लॉक मेंटर्स एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के मॉडरेटर्स को एनसीईआरटी नई दिल्ली की प्रोफेसर उषा शर्मा, प्रभारी, राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र प्रकोष्ठ, प्रारंभिक शिक्षा विभाग, एससीईआरटी पटना की संयुक्त निदेशक (डायट) डॉ.रश्मि प्रभा, प्रभारी अकादमिक समन्वयक, भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय,भारत सरकार, चंदन श्रीवास्तव एवं टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार के संयुक्त हस्ताक्षर से निर्गत डिजिटल सर्टिफिकेट आजाद कंट्रीब्यूशन एक्सीलेंस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।आजाद कंट्रीब्यूशन एक्सीलेंस अवॉर्ड\' की घोषणा टीचर्स ऑफ बिहार के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पेज पर ऑनलाइन मोड में आयोजित समारोह में की गई।

शिक्षक बेहतर कार्य के लिए सम्मानित हुए

आजाद कंट्रीब्यूशन एक्सीलेंस अवॉर्ड से सम्मानित होने वालों शिक्षको में कैमूर के शिक्षक धीरज कुमार बालमन पत्रिका के प्रधान संपादक सह शिक्षक उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा भभुआ को बालमन पत्रिका के टीम लीडर हेतु कमलेश कुमार उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय हरदासपुर, कुदरा को बाल मन टीम लीडर कुदरा,प्रमोद कुमार निराला कन्या मध्य विद्यालय,चांद को बाल मन टीम लीडर चांद,सिकेंद्र कुमार सुमन प्राथमिक विद्यालय तरहनी कुदरा को दक्ष और पोस्टर निर्माण हेतु,राजेश कुमार सिंह महाबल भृगनाथ +2 उच्च विद्यालय कोरिगावा बहेरा भभुआ को बालमन पत्रिका में विज्ञान कॉर्नर निर्माण सह पोस्टर निर्माण हेतु इसके साथ कुमार राकेश मणि उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय कोटा, नुआंव,खुश्बू कुमारी उत्क्रमित मध्य विद्यालय दुघरा भभुआ,डॉक्टर वंदना उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय बरडीहा,चैनपुर सहित जिले के डिस्ट्रिक्ट एवं ब्लॉक मेंटर नाम शामिल है।

Thank You

अगर आपको पत्रिका अच्छी लगी हो तो कृपया इसे अधिक से अधिक शेयर करे।

यदि आपके कोई सुझाव हो तो 9431680675 पर संपर्क कर सकते है।

www.teachersofbihar.org